दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी
www.Bharatdeshhamara.com
DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA
रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 103 पटियाला बुधवार 15 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

पूर्व बीजेपी नेता चंद्र कुमार टीएमसी में शामिल

कोलकाता 14 अप्रैल (निस) सुभाष चंद्र बोस के पोते और पूर्व बीजेपी नेता चंद्र कुमार बोस टीएमसी में शामिल हो गए। बोस ने राज्य मंत्री ब्रात्य बसु और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद की मौजूदगी में पार्टी जॉइन की। चंद्र कुमार ने कहा कि बीजेपी बांटने वाली राजनीति कर सांप्रदायिक नफरत फैलाती है।

न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि होगी

नोएडा,14 अप्रैल (निस) श्रमिक आंदोलन के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। श्रमिकों की मांगों और कानून व्यवस्था की संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार ने राज्य में न्यूनतम मजदूरी की दरों में उल्लेखनीय वृद्धि करने की घोषणा की है। कल नोएडा व गुरुग्राम में श्रमिकों का आंदोलन हिंसक हो गया था कई जख्मी हो गए थे।

मध्य-पूर्व में फिर तनाव, ईरान ने कहा-दबाव में नहीं आएंगे

अमेरिकी सेना ने की होर्मुज की घेराबंदी, 15 युद्धपोत तैनात, फिर से युद्ध भड़कने के आसार

वॉशिंगटन, 14 अप्रैल (निस) सामरिक रूप से महत्वपूर्ण फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा इस समुद्री रास्ते पर नियंत्रण की कोशिशों के जवाब में अब अमेरिका ने भी वहां कड़ा पहरा लगा दिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने इस क्षेत्र में अपने 15 से ज्यादा शक्तिशाली युद्धपोत तैनात कर दिए हैं, जो ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों के आसपास पूर्ण नाकेबंदी लागू कर रहे हैं। इस सैन्य कार्रवाई के बाद खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह नाकेबंदी बेहद सख्ती के साथ लागू की जा रही है। इस ऑपरेशन का मुख्य आकर्षण अमेरिका का अत्याधुनिक युद्धपोत यूएसएस ट्रिपोली है। इस जहाज को विशेष रूप से फाइटर जेट्स के संचालन के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक समय में 20 से अधिक एफ-35बी लाइटनिंग 2 स्टील्थ फाइटर जेट ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, एमवी-22 ओस्प्रे विमान और हेलिकॉप्टरों के जरिए भी होर्मुज जलमार्ग की निरंतर निगरानी की जा रही है। बयान के अनुसार, नाकेबंदी का उद्देश्य उन सभी जहाजों को रोकना है जो ईरान के बंदरगाहों में प्रवेश कर रहे हैं या वहां से बाहर जा रहे हैं। हालांकि, अमेरिका ने यह साफ किया है कि यह कार्रवाई केवल ईरान केंद्रित है। जो जहाज अन्य देशों के बंदरगाहों के लिए इस रास्ते का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें सुरक्षित मार्ग दिया जाएगा। इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि ईरान का कोई भी फास्ट अटैकर जहाज नाकेबंदी के करीब आता है, तो उसे तुरंत नष्ट कर दिया जाएगा।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर जारी तनाव

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता विफल होने के बाद स्थिति और जटिल हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना ने ईरानी बंदरगाहों पर टोटल मैरीटाइम ब्लॉकेड लागू किया है। यह कदम दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक को **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

देशभर में अंबेदकर जयंती मनाई गयी, पीएम मोदी सहित दिग्गजों ने किया नमन

दलितों, पिछड़ों व गरीबों को मुख्यधारा में लाने में बाबा साहिब की अहम भूमिका-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली14 अप्रैल (निस): संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर देश भर में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व ने बाबा साहेब के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय का संवाहक बताया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विशेष थ्रोबैक वीडियो साझा कर बाबा साहेब को नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में जोर देकर कहा कि अंबेडकर केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं है, बल्कि वे एक विराट संकल्प का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष की एक मिसाल रहा है, जिसमें उन्होंने समाज की कुरीतियों के खिलाफ डटकर लड़ाई लड़ी। पीएम मोदी के अनुसार, बाबा साहेब ने अपने व्यक्तिगत सम्मान की परवाह किए बिना दलित, पिछड़े और शोषित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाने और उन्हें बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। अपमान सहने के बाद भी वे अपने सिद्धांतों से कभी पीछे नहीं हटे। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि 2014 के बाद से उनकी सरकार बाबा साहेब की विरासत को सहेजने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने महू, लंदन, दिल्ली, मुंबई और नागपुर से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का उल्लेख किया, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें।

गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहेब ने एक ऐसा संविधान दिया जिसने भारतीय लोकतंत्र की नींव को मजबूती प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अंबेडकर ने देश की अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए धारा 370 का विरोध किया था। वहीं, राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने उन्हें सामाजिक न्याय का पुरोधा बताते हुए कहा कि उनके आदर्श एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए मार्गदर्शक हैं। पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बाबा साहेब को संविधान का शिल्पी बताते हुए कहा कि समता और स्वतंत्रता के जिन मूल्यों की स्थापना उन्होंने की थी आज प्रासंगिक हैं।

बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए जारी किया व्हिप

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (निस) बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। पार्टी के कार्यालय सचिव शिव शक्ति नाथ बख्शी ने निर्देश में लोकसभा और राज्यसभा के सभी बीजेपी सांसदों को तीन दिनों तक सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने को कहा है। इस व्हिप के मुताबिक 16 से 18 अप्रैल तक सभी सांसदों की मौजूदगी अनिवार्य होगी। इसमें विशेष रूप से केंद्रीय मंत्रियों और सभी सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे इन तीनों दिनों के दौरान सदन में मौजूद रहें। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति तय करें। बता दें पीएम मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि इस संशोधन को पारित कराने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर संसद में अपने विचार रखने चाहिए। उन्होंने इसे किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर का विषय बताया है। पीएम ने कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर मिलते हैं।

प्रियंका गांधी, खड़गे ने भी बाबा साहिब को श्रद्धांजलि दी

बाबा अंबेदकर के विचारों की रक्षा करेंगे-राहुल गांधी

नई दिल्ली 14 अप्रैल (निस) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है। वे पूरी शक्ति के साथ आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर ने हमें सिर्फ संविधान नहीं, न्याय, समानता और सम्मान पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना दिया, लेकिन आज कुछ ताकतें सुनियोजित तरीके से बाबासाहेब की इस विरासत और हमारे संविधान को कमजोर कर रही हैं।उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को खोखला किया जा रहा है, अधिकारों को कुचला जा रहा है और समता की सोच पर हमला हो रहा है। उन्होंने आगे लिखा- यह देश बाबासाहेब के विचारों पर बना है। मैं पूरी शक्ति के साथ आखिरी दम तक इनकी रक्षा के लिए लड़ता रहूंगा। हम सब मिल कर बाबा साहेब के सपनों के भारत को फिर से साकार करेंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सभी को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर लिखा- बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर हम उस दूरदर्शी महापुरुष को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को उसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा प्रदान की। बाबासाहेब न सिर्फ भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक अथक योद्धा भी थे। ये वे मूल्य हैं जो भारत के मूल विचार को परिभाषित करते हैं।उन्होंने आगे लिखा- आज, जब संविधान एक षड्यंत्रकारी हमले का सामना कर रहा है, तब उनके शब्द और उनकी चेतावनियां एक नई और गहन प्रासंगिकता के साथ गूंज रही हैं। यह एक ऐसा क्षण है जो साहस और दृढ़ विश्वास की मांग करता है। हमें केवल उन्हें याद ही नहीं करना चाहिए, बल्कि हमें उठ खड़े होकर उनके स्थापित हर सिद्धांत की रक्षा करनी चाहिए। उनकी ओर से सुनिश्चित किए गए हर अधिकार को सुरक्षित रखना चाहिए। इसके साथ ही, उन सभी मूल्यों को अक्षुण्ण रखना चाहिए।

ईरान ने भारत की संतुलित एवं जिम्मेदार विदेश नीति की सराहना की, वैश्विक शांति की कुंजी बताया

मुंबई 14 अप्रैल (निस) अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद वैश्विक तनाव बढ़ने की आशंका थी, इससे वेस्ट एशिया में संघर्ष का खतरा मंडराने लगा। इस बीच ईरान ने एक अप्रत्याशित बयान देकर दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींच दिया है। मुंबई में ईरानी राजदूत सैयद रजा मोसेब मोतलाद ने भारत को वैश्विक शांति की कुंजी बताकर उसकी संतुलित और जिम्मेदार विदेश नीति की खूब सराहना की। ईरान ने अमेरिका पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया, लेकिन साथ ही भारत, रूस और चीन को ऐसी त्रिमूर्ति बताया जो संभावित वैश्विक युद्ध रोक सकती है। यह बयान तब आया जब दुनिया महाशक्तियों के टकराव को लेकर चिंतित थी। ईरान के अनुसार, भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को जोखिम में डालकर भी संतुलन और स्थिरता का पक्ष लिया है। भारत न अमेरिकी कार्रवाइयों का अंध समर्थन किया और न ही किसी युद्धोन्मुखी रुख को बढ़ावा दिया। भारत की यही तटस्थ और संतुलित नीति एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में दिखाती है। इतना ही नहीं ईरान ने इस भरोसे को व्यवहार में दिखाकर होरमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया। यह कदम दोनों देशों के बीच विश्वास और सम्मान को दर्शाता है।

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र-महिलाओं को वित्तीय मदद

चेन्नई 14 अप्रैल (निस): भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को 2026 के तमिलनाडु चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें परिवार की सभी महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये की मासिक सहायता और हर परिवार को एक बार में 10,000 रुपये देने का वादा किया गया है। BJP, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में AIADMK के साथ मिलकर 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने तीन मुफ्त LPG सिलेंडर देने का वादा किया है, जिनमें से एक-एक पोंगल, तमिल पुथांडु और दीपावली के मौकों पर दिया जाएगा। BJP के हिंदुत्व एजेंडे के अनुरूप, पार्टी ने घोषणा की कि वह भगवान मुरुगन के सम्मान में थाईपूसम को राज्य उत्सव घोषित करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर कार्तिकई दीपम जलाने की परंपरा फिर से शुरू हो और आने वाले वर्षों तक सुरक्षित रहे।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के आसार, तेल कंपनियों का सरकार पर भारी दबाव

नई दिल्ली 14 अप्रैल (निस) कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्कायरी की एक रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल करीब 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अनुमान है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं। मौजूदा स्थिति में तेल कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर पर थीं, तब तीनों प्रमुख तेल कंपनियों को प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपए प्रतिदिन रह गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों का नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाता है।

कांग्रेस को जिता नहीं पा रहे राहुल, पार्टी में उनके खिलाफ माहौल-फड़णवीस

मुंबई 14 अप्रैल (निस): महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यह बात एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया कि राहुल पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। वह अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान देते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी आरोप लगाए थे कि बीजेपी और आरएसएस का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।

अकाली भाजपा सरकारों ने दोषियों को बचाया अब कोई नहीं बचेगा-हरपाल चीमा

चंडीगढ़, 14 अप्रैल (निस)आज विधानसभा में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पेश किए गए जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल के समर्थन में बोलते हुए, वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने 'बेअदबी' के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक संशोधन लाने पर मुख्यमंत्री का तहे दिल से धन्यवाद किया। इस संशोधन को भगवंत मान सरकार का एक ईमानदार प्रयास बताते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने लोगों को गुमराह करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संशोधित बिल में ऐतिहासिक सजा के प्रावधान किए गए हैं, जिसमें 'बेअदबी' के दोषियों के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, तथा इस अपराध को पूरी तरह गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है। अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री चीमा ने शिरोमणि अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में 'बेअदबी' की घटनाओं के काले इतिहास को नकोदर कांड से जोड़ा। उन्होंने कहा कि 'बेअदबी' की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का सिलसिला हमेशा उसी समय शुरू हुआ जब पंजाब में अकाली-भाजपा सरकार सत्ता में थी। मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 4 फरवरी 1986 को नकोदर में, गुरु ग्रंथ साहिब के पांच स्वरूपों को आग के हवाले किए जाने की घटना के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध कर रहे सिख युवाओं पर पुलिस ने गोली चला दी थी। इस पुलिस फायरिंग में भाई रविंदर सिंह (लित्तरां), भाई हरमिंदर सिंह (चुल्लेपुर), भाई बलधीर सिंह (रामगढ़) और भाई झिलमन सिंह (गोरसियां) समेत चार युवक शहीद हो गए थे। हालांकि रिपोर्ट का पहला हिस्सा सौंप दिया गया, लेकिन दूसरा हिस्सा रहस्यमय तरीके से गायब हो गया।पिछली सरकारों द्वारा कार्रवाई की कमी को उजागर करते हुए उन्होंने आगे कहा, 1997 से 2002 और 2007 से 2017 तक लगातार अकाली-भाजपा सरकारों तथा 2002 से 2007 तक कांग्रेस सरकार ने लापता रिपोर्ट खोजने या न्याय दिलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। 2015 की घटनाओं का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अकाली-भाजपा सरकार ने सबूतों को नष्ट करने की सक्रिय कोशिश की, जिसमें बहिबल कलां गोलीकांड के बुलेट सबूतों से छेड़छाड़ भी शामिल है। सुखबीर बादल पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, एक उच्च शिक्षित नेता, जो सांसद, केंद्रीय मंत्री और उप मुख्यमंत्री रह चुका है, वह श्री अकाल तख्त साहिब के सामने अपनी गलतियां स्वीकार करने के बाद इस तरह के कबूलनामे के लिए 'दबाव' पाये जाने का दावा कैसे कर सकता है?

अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को मिली उम्रकैद

लखनऊ 14 अप्रैल (निस) राजधानी लखनऊ की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने आतंकी साजिश रचने वाले तीन आतंकवादियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ कोर्ट ने तीनों आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। विशेष न्यायाधीश जैनेंद्र पांडे ने सुनवाई पूरी करने के बाद मुख्य आरोपी मिनहाज अहमद, मुसीरुद्दीन और तौहीद को दोषी पाते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि ये तीनों आरोपी देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा थे और किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

पब्लिक प्रॉसिक्यूटर मनोज सिंह और बृजेश यादव ने कहा कि इन आतंकियों के पास से संदिग्ध दस्तावेज, अवैध हथियार और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई थी। कोर्ट में पेश किए गए तथ्यों के आधार पर यह साबित हुआ कि तीनों आरोपी मिलकर 15 अगस्त से पहले लखनऊ समेत कई ठिकानों पर विस्फोट करना चाहते थे।

प्रदेश की लगभग सभी महिलाओं को मिलेगा वित्तीय लाभ...

पंजाब में मावां धीयां सतिकार योजना शुरु, बाबा साहिब अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि-सीएम मान

आदमपुर (जालंधर), 14 अप्रैल (निस)बाबा साहिब अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर एक निर्णायक कल्याण अभियान की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब में लगभग हर महिला के सशक्तिकरण के लिए एक योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत प्रदेश भर की महिलाओं को 1000 से 1500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना को बाबा साहिब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए, मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ किया, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाएं केवल तीन दस्तावेजों के साथ इस योजना का लाभ ले सकती हैं, जबकि कैंपों और सहायक स्टाफ के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं को उनके घर पर ही सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। यह योजना पहले 9 हलकों में शुरू की जाएगी और 15 मई से इसका विस्तार शेष 108 हलकों में किया जाएगा। योजना का भुगतान जुलाई से शुरू होगा और रजिस्ट्रेशन के लिए कोई समय सीमा नहीं होगी। इससे प्रत्येक पात्र महिला को लाभ की गारंटी प्रदान की गई है, चाहे वह कभी भी रजिस्ट्रेशन करवाए। 26,000 रजिस्ट्रेशन केंद्रों और हर गांव और वार्ड में तैनात समर्पित %महिला सतिकार सखियों% के साथ, इस योजना को बड़े पैमाने पर लागू करने, बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और निश्चितता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसे देश में महिलाओं के लिए सबसे व्यापक प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता पहलों में से एक बनाती है। वरिष्ठ आप नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया के साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि यह योजना पायलट आधार पर आदमपुर, मलोट, श्री आनंदपुर साहिब, दिड़बा, सुनाम, मोगा, कोटकपूरा, बटाला और पटियाला देहाती सहित 9 हलकों में शुरू की गई है। उन्होंने कहा, शेष 108 हलकों में महिलाओं के लिए रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू होगा। जुलाई 2026 से 1000 या 1500 रुपये का मासिक भुगतान शुरू होगा।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महिलाओं को पहुंच के बारे में आश्वस्त करते हुए कहा, पंजीकरण के लिए कोई समय सीमा नहीं है और महिलाओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे 15 अप्रैल, 15 मई या 15 अगस्त को पंजीकरण करवाएं। उन्होंने आगे कहा कि देर से पंजीकरण करवाने से लाभों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, उन्हें जुलाई के बाद अपना पूरा भुगतान मिलेगा, इसलिए चाहे वे सितंबर के अंत में पंजीकरण करवाएं, फिर भी उन्हें तीन महीने यानी जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए पूरा भुगतान मिलेगा।दस्तावेज़ प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, पंजीकरण के लिए केवल तीन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है, जिनमें पंजाब के पते वाला आधार, पंजाब का वोटर आईडी और बैंक पासबुक शामिल है। अनुसूचित जातियों की महिलाओं के मामले में अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र भी आवश्यक है।जाति प्रमाण पत्र की कमी वाली महिलाओं की चिंताओं **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

नेपाल के प्रधानमंत्री ने चौंकाया भारत को

महज 36 साल की उम्र में नेपाल के प्रधानमंत्री बने बालेन शाह ने शपथ लेते ही जिस तरह से अपनी सक्रियता दिखाई है, उसको लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनकी भारत में हो रही है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में युवा लोगों को रखा है। नेपाल के पुराने धाकड़ राजनेता और राजवंश कहां चला गया, वह ढूंढने से भी नहीं मिल रहा है। बालेन शाह की कैबिनेट में शामिल सभी मंत्री उच्च शिक्षित और विशेषज्ञ हैं। मंत्रिमंडल की औसत आयु 38.21 वर्ष है। मंत्रिमंडल में 5 महिला मंत्रियों को स्थान दिया गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री की कैबिनेट पूरी तरह से जेन-जी आंदोलन से निकलकर सत्ता के सिंहासन तक पहुंची है। भारत सहित विश्व के अन्य देशों में जिस तरह से नेपाल सरकार की चर्चा हो रही है। सरकार जिस तरह से काम कर रही है। उसकी प्रशंसा इन दिनों सारी दुनिया के जेन-जी में देखने को मिल रही है। नेपाल में पहली बार पारंपरिक राजनीति से हटकर युवाओं ने अपनी सरकार बनाई है। सरकार को लेकर विशेषज्ञता और समर्पण को महत्व देते हुए जिस तरह से कार्य करना शुरू किया है, उससे आशा की एक नई किरण देखने को मिल रही है। शपथ लेने के दूसरे दिन ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भिजवा दिया। कठोर से कठोर निर्णय लेने में उन्हें कोई तकलीफ नहीं हो रही है। विदेशों में नेताओं और अधिकारियों के जमा काले धन को नेपाल वापस लाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। बिना किसी लाग लपेट के प्रधानमंत्री और कैबिनेट के सदस्य नेपाल स्थित विभिन्न देशों के दूतावास पहुंच रहे हैं। जहां पर वह नेपाल के नए विकास मॉडल को लेकर विभिन्न देशों के राजदूतों से चर्चा कर रहे हैं। नेपाल की जरूरतों और विकास के लिए त्वरित निर्णय की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नेपाल मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री सहित सभी मंत्री एक से एक बढ़कर एक हैँ। कोई टेक्नोलॉजी से है, कोई पूर्व मेयर और संगीतकार रह चुका है। 2 मंत्री पीएचडी होल्डर हैं। वित्त मंत्री डा स्वर्णिम अर्थशास्त्र से पीएचडी कर चुकी हैं। विदेश मंत्री शिशर खनाल जिनकी उम्र 47 साल की है वह अमेरिका से पब्लिक पॉलिसी और पॉलिटिकल इकोनॉमी में स्नातक हैं। नेपाल में पढ़े-लिखे लोगों का मंत्रिमंडल है। ऐसा मंत्रिमंडल दुनिया के किसी अन्य देश में नहीं है। दुनिया के अन्य देशों की तुलना में यह बिल्कुल अलग है। सबसे अच्छी बात यह है, सारे युवा मिलकर नेपाल को नई दिशा देने के लिए अपना अधिक से अधिक समय दे रहे हैं। इनकी ऊर्जा देखने लायक है। जिस तरह से यह सोच समझकर गंभीरता के साथ निर्णय ले रहे हैं। निश्चित रूप से उसके सुखद परिणाम कुछ ही महीनो में दिखना शुरू हो जाएंगे। 2 सप्ताह पुरानी सरकार 100 सूत्री शासन सुधार एजेंडा पेश कर चुकी है। इस एजेंडे पर काम भी शुरू कर दिया है। मंत्रालयों का पुनर्गठन, दक्षिण एशिया संघर्ष के प्रभाव, नेपाल के एनआईआर की सुरक्षा का कार्य, कार्की आयोग की रिपोर्ट पर कार्यवाही, संविधान संशोधन, पार्टी आधारित छात्र संघ व्यवस्था समाप्त करने, निजी अस्पतालों में 10 फीसदी मुफ्त बेड गरीबों के लिए। इस तरह स्वास्थ्य एवं रोजगार के लिए जिस तरह से सरकार ने काम करना शुरू कर दिया है, उसको देखते हुए, यह कहने में जरा भी संकोच नहीं है, यदि यही उत्साह कुछ और समय तक बना रहता है तो आने वाले समय में नेपाल का भविष्य सारी दुनिया के लिए देखने योग्य होगा। नेपाल में अभी बहुत सारी चुनौतियां हैं। इसके बाद भी जिस तरह से नेपाल मंत्रिमंडल ने अपना एजेंडा लागू कर आम जनता को विश्वास में लिया वह महत्वपूर्ण बात है। नेपाल में सामाजिक, आर्थिक, न्याय, सुशासन, महंगाई और बेरोजगारी के क्षेत्र में जो प्रयास देखने को मिल रहे हैँ, निश्चित रूप से नेपाल युवा पीढ़ी उत्साह में पुरानी बीमारियों को त्याग कर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रही है। उससे लगता है, नेपाल एक नए वैश्विक स्वरूप में स्थापित होने की दिशा मे सफल होगा। जेन-जी ने जिस तरह से नेपाल की पुरानी सत्ता को उखाड़ कर नई सत्ता को स्थापित किया है, इस बात का असर कहीं ना कहीं अब भारत में भी दिखने लगा है। यहां का युवा भी बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य समस्याओं को लेकर उद्देलित है। भारत के लिए वर्तमान स्थिति में यह चिंताजनक है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं सरकार के इशारे पर काम करती हुई दिख रही हैं, जिससे युवाओं में रोष दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश से सबक लेकर इस तरह की स्थितियां भारत में उत्पन्न ना हों, इसके लिए सभी संवैधानिक संस्थाओं को मिलकर आगे आना चाहिए।

अमेरिका-ईरान की वार्ता नाकाम रहने से फिर युद्ध का खतरा मंडराया

– सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार भर नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पडने् वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का भी प्रतिबिंब है। ऐसे में यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा—हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी कि क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें जो कि अमेरिका शुरु से मानने से इंकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई जो बताया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश की बातें साझा की जो वार्ता का हल ही अस्पष्ट कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी। इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं।

सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इज़रायल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है।दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है, और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था। लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा।तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता, तो यह दर्शाता है कि आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास

निर्माण और ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इछा जताई है, लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं।इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान क्षेत्र में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है, जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती।वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है—परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुंह मोडने् जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक परिदृश्य में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक।

अमेरिका का अब आगे का रुख क्या ?-पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय नियंत्रित दबाव की नीति अपना रहा है। दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा।तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इजऱायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना, और जरूरत पडने् पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना—ये सभी कदम उसकी डिटरेंस नीति का हिस्सा होंगे। चौथा, कूटनीति के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे। अमेरिका यह समझता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका बातचीत ही है। इसलिए भविष्य में नई शर्तों के साथ किसी नए परमाणु समझौते की संभावना बनी रहेगी, भले ही वर्तमान हालात तनावपूर्ण क्यों न हों। अमेरिका का रुख एक दोहरी रणनीति पर आधारित रहेगा—एक तरफ दबाव और प्रतिबंध, दूसरी तरफ संवाद और समझौते की कोशिश। यह नीति तत्काल समाधान तो नहीं देगी, लेकिन क्षेत्र में बड़े युद्ध को टालने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करने का प्रयास अवश्य करेगी। देखना होगा कि युद्ब किसी मसले का हल नहीं है जबकि ऐसे में जब ईरान होर्मूज पर कब्जा कर बैठा है। अगर जैसा कि ईरान धमकी दे रहा है कि उसने होर्मूज में अपनी माइंस की लोकेशन मिल नहीं रही या इंटरनेट की केबिल काट देगा? यानी फिलाहल विश्व का ऊर्जा संकट टालने हेतू ईरान से शांति वार्ता बेहद जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तीर्थ स्थलों पर कुप्रबंधन- खतरे में पड़ रही श्रद्धालुओं की जान

– मनोज कुमार अग्रवाल

अभी बिहार के नालंदा के देवी मंदिर धर्मस्थल पर भगदड़ में नौ श्रद्धालुओं की मौत का मामला ठंडा भी नही हुआ कि उत्तर प्रदेश के बड़े तीर्थ स्थल मथुरा के निकट वृंदावन में नाव हादसे का बेहद दुखदायी हादसा सामने आया है, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई है और अभी कुछ लापता भी हैं। आए दिन कभी पवित्र नदियों के स्नान पर्व पर कभी मंदिरों में दर्शन अवसर पर तो कभी तीर्थ यात्रा और तीर्थ स्थलों कभी शोभा यात्रा पुरी रथयात्रा रामलीला मेलों या गणेश मूर्ति विसर्जन के मौके पर हो रहे हादसों में सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान जा रही है हर हादसे के बाद जांच की खाना पूर्ति की जाती है हर बार प्रबंधन की खामियां प्रशासन की लापरवाही सामने आती है लेकिन कोई बदलाव नहीं आता इससे पहले अगला हादसा हो जाता है। आपको बता दें वृंदावन एक ऐसा तीर्थ स्थल है, जहां लाखों ही लोग जाते हैं। यहां भगवान कृष्ण जी ने अपना बचपन गुज़ारा। उनका जन्म मथुरा में हुआ। वृंदावन में सैकड़ों मंदिर हैं। यमुना के किनारे बसा होने के कारण यहां अनेक ही घाट हैं। यहां भगवान कृष्ण की याद में बना बांके बिहारी मंदिर लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बना रहता है। पंजाब से भी कुछ दर्जन श्रद्धालु यहां गए थे और लुधियाना, मुक्तसर एवं जगराओं के लगभग 37 श्रद्धालु यमुना में एक मोटर बोट पर सवारी कर रहे थे। गहरे पानी में बने पाटून पुल जिसे अब हटाया जा रहा था, से श्रद्धालुओं की नाव टकरा गई, जिस कारण यह हादसा हो गया, परन्तु नज़दीक के नाव वालों और गोताखोरों ने इनमें से कई व्यक्तियों को बचा लिया। इससे पहले भी देश भर में ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए पूरे प्रबन्ध न किये जाने के कारण अक्सर हादसे हो जाते हैं जिनमें बड़ी संख्या में लोग शिकार हो जाते हैं। इस तरह के प्रत्येक बड़े हादसे के बाद विशेष रूप से मेलों और धार्मिक स्थलों पर एकत्रित हुए श्रद्धालओं संबंधी पुख्ता प्रबन्ध करने की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन प्रबन्धों का कुछ प्रभाव भी पड़ता है। फिर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा इन प्रबन्धों में त्रुटियां रह जाने के कारण या प्रबन्धकों की लापरवाही के कारण ऐसे दुखद हादसे घटित हो जाते हैं। ऐसा कुछ न घटित हो, इसकी जिम्मेदारी संबंधित राज्यों पर भी आती है। उनकी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे प्रत्येक पक्ष से सचेत होकर प्रबन्ध करें, जिनसे श्रद्धालुओं की बड़ी से बड़ी संख्या को भी नियंत्रित किया जा सके, ताकि ऐसे हादसे न घटित हों। यमुना नदी की सैर करते हुए अथवा यहां एक से दूसरे स्थान पर नावों द्वारा जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन को सचेत होने की ज़रूरत है। जिस समय यह हादसा घटित हुआ, उस समय मोटर बोट में 31 श्रद्धालु थे, जिनमें से किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। यह बात सुनिश्चित है कि यदि मोटर बोट के प्रबन्धकों या प्रशासन की ओर से नाव में बैठने वालों के लिए लाइफ जैकेट पहनना ज़रूरी किया जाता तो मरने वालों में ज्यादातर का बचाव होने की बड़ी सम्भावना थी। इस संबंध में सरकार का भी यह कर्तव्य बनता है कि वह किसी भी धार्मिक या अन्य त्यौहार पर अथवा यदि किसी स्थान पर भारी जनसमूह जमा होने की सम्भावना हो, तो वह विशेष प्रबंध किए जाने के निर्देश दे और स्थानीय सरकारों द्वारा किए गए प्रबन्धों संबंधी भी केन्द्र सरकार से संबंधित अधिकारियों द्वारा सम्पर्क बनाए रखना ज़रूरी होना चाहिए। चाहे प्रधानमंत्री द्वारा और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा भी प्रभावित परिवारों के लिए राहत की घोषणा की गई है परन्तु ऐसे हादसों के कारण लम्बी अवधि तक संबंधित परिवारों को बड़ी त्रासदी भोगनी पड़ती है। समाज के सभी वर्गों और प्रशासनों को यह सुनिश्चित बनाना चाहिए कि भविष्य में ऐसा कुछ घटित न हो वहीं श्रद्धालुओं को भी पर्याप्त सावधानी और उत्साह के अतिरेक से बचना चाहिए एक ही दिन एक ही अवसर पर क्षमता से अधिक लोगों का एक स्थान पर स्नान पूजा मेला कथा शोभायात्रा में जमावड़ा करना और संयम खो कर धक्का मुक्की कर व्यवस्था बिगाड़ना कौन सी धार्मिकता का परिचय देता है? हर आयोजन में दो चार फीसदी ऐसे उश्रृंखल लोगों की मौजूदगी रहती है जो अनावश्यक टकराव और अराजकता फैलाने का काम करते हैं। ऐसे लोग न भक्त हो सकते हैं न श्रद्धालु ये सिर्फ धार्मिक चोला पहन कर उन्माद मचाने का काम करते हैं और सच्चे श्रद्धालुओं के जीवन के लिए खतरा पैदा करने का काम करते हैं ऐसे ही लोग कांवड़ियों के वेश में शामिल होकर की बार उपद्रव करने का प्रयास करते हैं।सभी श्रद्धालुओं का कर्तव्य है कि वह व्यवस्था बना रही पुलिस मंदिर कमेटी के स्वयं सेवकों के निर्देशानुसार संयमित व्यवहार करें आपाधापी लाइन तोड़ कर आगे बढने की स्वार्थी प्रवृति से बचना चाहिए वही धार्मिक उपदेशक कथा वाचक भी अपने अनुयायियों को इन अवसरों पर नैतिकता संयम बनाने के लिए आगाह कर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

रेल की पटरियों पर देश का भविष्य, कनेक्टिविटी से विकास

– विनोद कुमार सिंह

*अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी का संकल्प,विकास की धड़कनों से जुड़ते जनजातीय अंचल,समावेशी भारत की ओर बढ़ता राष्ट्र**

भारत की विकास गाथा केवल महानगरों की चमक-दमक या औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है,इसकी वास्तविक शक्ति उन दूरस्थ गांवों,पहाड़ी अंचलों और घने वनों में बसती है,जहाँ आज भी जनजातीय समाज अपनी परंपराओं,संस्कृति और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के साथ जीवन जी रहा है।लंबे समय तक ये क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर रहे - सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित।आज भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ती विकास की यह नई कहानी इन दूरस्थ इलाकों तक पहुंचने लगी है।भारतीय रेल के माध्यम से अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का जो संकल्प सामने आया है,वह केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,समान अवसर और मानवीय गरिमा की पुर्नस्थापना का प्रयास है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत - 2047 के विज़न में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि विकास का अर्थ तभी पूर्ण होगा,जब वह समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल जिस गति से विस्तार कर रही है,वह इस संकल्प को व्यवहार में बदलने का प्रमाण है।वित्त वर्ष 2025ङ्क26 में 100 रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृति मिलना इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।इन परियोजनाओं के अंतर्गत नई रेल लाइनों का निर्माण, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग, वायपास और फ्लाई ओवर जैसी पहलें शामिल हैं,जो देश के रेल नेटवर्क को न केवल विस्तृत करेंगी,बल्कि उसे अधिक सक्षम और आधुनिक भी बनाएंगी।?1.53 लाख करोड़ के विशाल निवेश और 6,000 किलोमीटर से अधिक रेल नेटवर्क के विस्तार का यह अभियान केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं है।यह उन सपनों का विस्तार है,जो वर्षों से जनजातीय और पिछड़े वर्गों की आँखों में पलते रहे हैं।यह वह विश्वास है,जो अब वास्तविकता में बदलता दिखाई दे रहा है कि देश का विकास,सबका विकास केवल नारा नहीं,बल्कि एक जीवंत प्रक्रिया है।विशेष रूप से जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों पर केंद्रित यह पहल अपने आप में एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप लेती दिखाई देती है।उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार,इस कुल निवेश में से लगभग ?40,000 करोड़ से अधिक की राशि जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित है।यह राशि केवल परियोजनाओं का खर्च नहीं,बल्कि उन पीढ़ियों के भविष्य में किया गया निवेश है,जो अब तक विकास की दौड़ में पीछे छूटती रही थीं।छत्तीसगढ़ के रावघाट से जगदलपुर तक बनने वाली रेल लाइन,झारखंड और ओडिशा के दुर्गम अंचलों में विस्तारित हो रहे रेल कॉरिडोर-ये केवल परियोजनाएं नहीं,बल्कि उन बच्चों के सपनों की पटरियां हैं, जो अब बेहतर शिक्षा के लिए शहरों तक पहुंच सकेंगे; उन मरीजों के जीवन की डोर हैं,जिन्हें समय पर इलाज मिल सकेगा; और उन किसानों व कारीगरों के लिए आशा की किरण हैं,जो अब अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचा सकेंगे।जनजातीय समाज,जो सदियों से प्रकृति का संरक्षक रहा है,आज भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीता है।वही आधुनिक सुविधाओं से दूर रहने के कारण वह कई बार अवसरों से वंचित रह जाता है।ऐसे में जब रेल जैसी सशक्त परिवहन व्यवस्था इन क्षेत्रों तक पहुंचती है,तो यह केवल दूरी कम नहीं करती, बल्कि अवसरों की खाई भी पाटती है।महाराष्ट्र, बिहार,झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में परियोजनाओं का विशेष फोकस यह दर्शाता है कि सरकार उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है,जहाँ जनसंख्या का बड़ा हिस्सा अभी भी विकास के लिए संघर्ष कर रहा है।इन राज्यों में बेहतर रेल संपर्क से न केवल यात्री सुविधाओं में सुधार होगा,बल्कि माल परिवहन को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। 'मिशन 3000 एमटी' के तहत माल परिवहन क्षमता बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम भारत की आर्थिक मजबूती को नई दिशा देंगे।कोयला, खनिज और अन्य संसाधनों के तेज परिवहन से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी,वहीं बंदरगाहों से बेहतर संपर्क तटीय व्यापार को गति देगा।यह सब मिलकर भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेगा।?1,000 करोड़ से अधिक लागत वाली 35 से अधिक परियोजनाएं इस बात का संकेत हैं कि अब विकास की सोच छोटे सुधारों से आगे बढ़कर व्यापक परिवर्तन की ओर अग्रसर है।कसारा-मनमाड,खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा,इटारसी-नागपुर और सिकंदराबाद-वाड़ी जैसे प्रमुख रेल कॉरिडोर आने वाले समय में देश की आर्थिक धुरी बनेंगे।इस व्यापक निवेश का प्रभाव बहुआयामी होगा।एक ओर जहाँ लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा,वहीं इस्पात,सीमेंट और अन्य आधारभूत उद्योगों को भी नई गति मिलेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी,जिससे देश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और आम नागरिक को भी इसका लाभ मिलेगा।उपरोक्त सभी आंकड़ों और परियोजनाओं के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण तत्व है,वह है-मानवीय संवेदना।यह वह भावना है,जो यह सुनिश्चित करती है कि विकास केवल आंकड़ों का खेल न रहकर लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाए।जब किसी दूरस्थ जनजातीय गांव में पहली बार ट्रेन की सीटी सुनाई देती है,तो वह केवल एक आवाज नहीं होती, बल्कि वह एक नए युग के आगमन की घोषणा होती है।आज भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ती ट्रेन नहीं है,बल्कि यह उन अनगिनत कहानियों की वाहक है,जो संघर्ष, आशा और बदलाव की मिसाल हैं।यह उन सपनों को जोड़ने का माध्यम है,जो अब तक बिखरे हुए थे।संक्षेप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत मिशन और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रही है,जहाँ विकास का कोई भी हिस्सा अधूरा नहीं रहेगा।यह केवल पटरियों का विस्तार नहीं है-यह विश्वास का विस्तार है,अवसरों का विस्तार है।

सामाजिक भाईचारे के पक्षधर थे बाबा साहब : डॉ. बलराम शर्मा

बोले : बाबा साहब का मानना था कि यदि राष्ट्र को उन्नति करनी है तो करना होगा हमें स्त्रियों को शिक्षित

करनाल, 14 अप्रैल (संदीप रोहिला) : डॉ. बी.आर.अंबेडकर जन कल्याण सोसायटी काछवा द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती के उपलक्ष में गांव काछवा के पंचायत घर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डीएवी कॉलेज, करनाल के राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ बलराम शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉ. दीपक कुमार एवं संस्था के प्रधान ने मुख्य अतिथि डॉ बलराम शर्मा का स्वागत किया। डॉ. बलराम शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर सामाजिक समानता एवं भाईचारे के पक्षधर थे। वह समाज में स्त्रियों को पुरुषों के समान मानते थे। वह स्त्री शिक्षा के समर्थक थे। उनका मानना था कि यदि राष्ट्र को उन्नति करनी है तो हमें स्त्रियों को शिक्षित करना होगा। उन्होंने समाज के लोगों से शिक्षित बनने, संगठित रहने और संघर्ष करने की शिक्षा दी थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गांव के सरपंच प्रतिनिधि डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में समिति के सभी पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि डॉ. बलराम शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच बिट्ठ, सुरेंद्र भाटिया, जितेंद्र बजाज, सुरमुख नंबरदार, राजेश प्रधान वाल्मीकि, सोहन सिंह, डॉ विनोद कुमार, निशु सचिव अंबेडकर सभा, ध्यानचंद पंच एवं सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शाहाबाद में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का भव्य स्वागत

बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि, पंचकुला के लिए भरी हुंकार

शाहाबाद मारकंडा, 14 अप्रैल (रूबी) : हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के शाहाबाद पहुँचने पर भाजपा नेता सुभाष कलसाना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार नागरिक अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के पश्चात कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और सुभाष कलसाना ने उपस्थित वर्करो के साथ भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बाबा साहेब अमर रहें के नारों से माहौल गूंज उठा। इस दौरान दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के मार्गदर्शक हैं। उनके द्वारा बनाया गया संविधान ही है जो आज देश के हर नागरिक को समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान करता है। भाजपा की सरकार बाबा साहेब के अंत्योदय के सपने को साकार कर रही है, जहाँ विकास की किरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही है।

वहीं भाजपा नेता सुभाष कलसाना ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा आज हम सभी बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लेते हैं। उनके विचार हमें सामाजिक समरसता और एकजुटता की प्रेरणा देते हैं। शाहाबाद की जनता और हमारे कार्यकर्ता हमेशा विकास और न्याय की राजनीति के साथ खड़े हैं। शाहाबाद में श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और सुभाष कलसाना के नेतृत्व में सभी नेता और कार्यकर्ता पंचकूला में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय अंबेडकर जयंती समारोह के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुपार्शव जैन, नगर पालिका के पूर्व प्रधान बलदेव राज चावला, पार्षद ईशु सचदेवा, कमित सचदेवा, जतिन पोपली, एडवोकेट मनदीप रावा अभिषेक छाबड़ा, एडवोकेट अशोक वत्स, अनिल गोलपुरा, नरेश खेड़ा, सतीश कुमार, तिलक राज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगामी 16 अप्रैल से शुरू होगी जनगणना की स्व-गणना सुविधा : डीसी अपराजिता

कैथल, 14 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने बताया कि आगामी जनगणना 2027 के पहले चरण में नागरिक स्वयं भी अपनी जनगणना कर सकेंगे। यह नई सुविधा 16 अप्रैल से शुरू होगी और 30 अप्रैल तक चलेगी, जिसके तहत आमजन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण भर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल घर-घर जाकर जनगणना शुरू होने से पहले लगभग 15 दिनों के लिए खुला रहेगा। इस दौरान नागरिक अपने मोबाइल नंबर से लॉग इन कर निर्धारित 33 प्रश्नों के उत्तर भर सकते हैं। पूरी प्रक्रिया 15 से 20 मिनट में पूरी हो जाती है। डीसी अपराजिता ने बताया कि जानकारी सफलतापूर्वक जमा करने के बाद नागरिकों को 11 अंकों की एक यूनिक स्व-गणना आईडी प्राप्त होगी। जब जनगणना अधिकारी सत्यापन के लिए घर आएंगे, तो केवल यह आईडी साझा करनी होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया तेज और सरल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा पहली बार लागू की जा रही है, जो पूरी तरह नागरिक हितैषी और तकनीक आधारित है। जिससे प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी बनाया जा सके। इस कार्य के लिए जन सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। पोर्टल अंग्रेजी सहित 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध रहेगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। डीसी ने बताया कि स्व-गणना अवधि समाप्त होने के बाद मकान सूचीकरण का कार्य पारंपरिक तरीके से शुरू होगा। साथ ही, जो लोग ऑनलाइन सुविधा का उपयोग नहीं कर पाएंगे, उनके लिए जनगणना कर्मी घर-घर जाकर साक्षात्कार के माध्यम से डेटा एकत्र करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। जनगणना कर्मी मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र करेंगे, जो सीधे केंद्रीय सर्वर पर अपडेट होगा। डीसी ने जिला वासियों से अपील की कि वे इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें और इस ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि जनगणना प्रक्रिया को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया जा सके।

सरकार किसानों की फसल पर एमएसपी को खत्म करने का रच रही षड्यंत्र : बख्शीश सिंह विर्क

असंध, 14 अप्रैल (दलसिह मान) : कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क ने मंगलवार को अनाज मंडी बल्ला का दौरा कर किसानों, मजदूरों और आढतियो से बातचीत की तथा उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि किसानों पर एक तरफ मौसम की मार है तो दूसरी तरफ सरकारी नीतियों का बोझ, जिस हालत में हद गंभीर हो गए हैं। विराट ने आरोप लगाया कि प्रदेश की नायब सैनी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार एसपी पर गेहूं और सरसों की खरीद को खत्म करने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि मेरी फसल, मेरा बोरा पोर्टल के नाम पर बायोमेट्रिक बाधाएं ट्रैक्टर पर नंबर की फोटो अपलोड जैसी शर्तें लगाकर किसानों को परेशान किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि इन नियमों से छोटे और सीमांत किसानों पट्टेदार किसानो और मजदूरों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है।

विर्क ने आढतीयो की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को मंडियों में सफाई, पेयजल और जाम जैसी बुनियादी सुविधाओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उठान न होने से मंडियों में गेहू का स्टॉक बढ़ता जा रहा है, जिससे जाम की स्थिति बन गई है और किसानों को भुगतान में देरी हो रही है। बारदाने की भारी कमी और पोर्टल में डेटा गड़बड़ी जैसी समस्याएं भी किसानों के सामने खड़ी है।

विर्क ने यह भी आशंका जताई कि पांच राज्यों के चुनाव के बाद देश में गैस, पेट्रोल और डीजल के दाम रातों रात बढ़ा दिए जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी किसानों और मजदूरों के साथ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

संस्कार वाटिका विद्यालय नरवाना में बैसाखी की धूम, पंजाबियत की जीवंत झलक ने मोहा मन

नरवाना, 14 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर संस्कार वाटिका विद्यालय में एक भव्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पंजाबी संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय परिसर पूरे दिन उत्सव के रंगों में नजर आया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पंजाबी लोक जीवन की सजीव झांकी रही जिसमें बच्चों ने पारंपरिक ग्रामीण जीवन को बेहद सुंदर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नन्हें-मुन्ने विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पुरातन संस्कृति को जीवंत कर दिया-कहीं बच्चे पारंपरिक तरीके से खाना बनाते दिखे तो कहीं चटनी कूटने की प्रक्रिया को दर्शाया गया। वहीं कुछ विद्यार्थियों ने छाज से अनाज साफ करने की विधि प्रस्तुत कर दर्शकों को गांव की असली झलक से रूबरू कराया। रंग-बिरंगे पंजाबी परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने भांगड़ा और गिद्धा जैसे पारंपरिक नृत्यों की ऊर्जावान प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनकी प्रस्तुतियों पर उपस्थित दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन करते नजर आए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, ऊर्जा और सांस्कृतिक गौरव की अनूठी छटा देखने को मिली।विद्यालय की प्रिंसिपल मीनाक्षी सिंगला ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर बैसाखी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया और एकता, मेहनत व समृद्धि का संदेश दिया।

ट्रैफिक समस्या : गेहूं के सीजन दौरान ऐलनाबाद में लोगों की परेशानी बढ़ी

सिरसा, 14 अप्रैल (ब्यूरो) : जिला के ऐलनाबाद शहर के मेन बाजार में ट्रैफिक की समस्या दिन-प्रति-दिन बढ़ती जा रही है, जिससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब रबी सीजन में किसान अपनी फसल लेकर अनाज मंडी में आ रहे है और सरकार द्वारा फसल खरीद के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने से शहर में ट्रैफिक की समस्या और भी गंभीर हो गई है, क्योंकि गेट पास जल्दी नहीं मिलने से किसानों को अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली लाइनों में खड़े करने पड़ रहे हैं और शहर में बार-बार ट्रैफिक जाम हो रहा है। इसके साथ ही ज्यादातर व्यापारी शहर के पुराने बाजार में ट्रकों और दूसरी गाड़ियों से अपना माल उतारते हैं, जिससे लगातार ट्रैफिक जाम हुआ रहता है। कुछ समय पहले सिविल प्रशासन ने शहर के पुराने बाजार में माल उतारने वाली गाड़ियों का समय तय किया था, जिससे ट्रैफिक जाम में कुछ हद तक सुधार हुआ था, लेकिन अब गाड़ियां हर समय वहां खड़ी नजर आती हैं। ट्रैफिक पुलिस ने अभी तक इस समस्या को हल करने के लिए कोई खास कोशिश नहीं की है। शहर में एक बड़े बैंक की ब्रांच भी है, जहां लोग आते-जाते रहते हैं और यहां गाड़ियां सड़क पर बड़ी संख्या में खड़ी दिखती हैं। कई बार इमरजेंसी में मरीज ले जा रही एंबुलेंस भी इस ट्रैफिक जाम में फंस जाती हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि मुख्य बाजार में ट्रैफिक की समस्या का तुरंत हल किया जाए। लोगों का कहना है कि ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए पुलिस को मेन बाजार में निरंतर पेट्रोलिंग करनी चाहिए।

थाना प्रभारी प्रगट सिंह ने बताया कि रबी सीजन को ध्यान में रखते हुए शहर में ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए 6 और पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं और अनाज मंडी के मेन गेट के पास ट्रैफिक पुलिस तैनात रहती है।

राजौंद में कार और थ्री-व्हीलर की भिड़ंत में 2 मजदूरों की मौत, 8 जिंदगी ओर मौत के बीच

राजौंद, 14 अप्रैल (नरेश कुमार पुहाल) : सोमवार रात करीब 11 बजे राजौंद से दो किलोमीटर दूर असंध रोड पर एक भीषण सड़क हादसे ने चीख-पुकार मचा दी। कैथल की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार और असंध की तरफ से आ रहे मजदूरों से भरे थ्री-व्हीलर (ऑटो) के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में एक मजदूर सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, एक व्यक्ति शमशेर उर्फ कालू की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि 8 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायल और मृतक राजौंद के नज़दीकी गांव सेरधा के मजदूर बताए जा रहे हैं, जो दिनभर की दिहाड़ी के बाद ऑटो में सवार होकर अपने घरों की ओर लौट रहे थे। चश्मदीदों में घायलों ने बताया कि सन्नाटे को चीरती हुई कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि ड्राइवर को संभलने का मौका तक नहीं मिला। अपनी साइड में ठीक चल रहा था आटो पर ग़लत साईड और तेज स्पीड से आ रही कार ने एक ही क्षण में सब कुछ बदल दिया। हादसे की आवाज सुनकर पास के पुलिस नाके पर तैनात कर्मियों ने डायल 112 को सूचना दी, तुरंत मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस डायल 112 व एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नागरिक अस्पताल कैथल पहुंचाया गया। जिनमें एक की मौके पर मौत हो चुकी थी एक व्यक्ति की इलाज दौरान मौत हो गई व 8 घायलों को गंभीर चोटें आई है। मिली जानकारी अनुसार कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। थाना प्रभारी सतपाल ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कार चालक की फिलहाल पहचान नहीं हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर रात के समय सड़कों पर तेज रफ्तार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा आज करेंगी नरवाना अनाज मंडी का दौरा, किसानों-मजदूरों की समस्याएं सुनेंगी

नरवाना, 14 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : सिरसा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा बुधवार 15 अप्रैल को नरवाना विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचेंगी। इस दौरान वे नरवाना की मेला अनाज मंडी में पहुंचकर गेहूं खरीद व्यवस्था का जायजा लेंगी और किसानों व मजदूरों से सीधे संवाद करेंगी। पार्षद आशुतोष शर्मा ने बताया कि सांसद दोपहर करीब 2 बजे अनाज मंडी पहुंचेंगी। यहां वे पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे किसानों और मजदूरों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगी। साथ ही मौके पर मौजूद अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी देंगी।मौजूदा समय में गेहूं खरीद को लेकर किसानों और मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पोर्टल सिस्टम, बायोमेट्रिक प्रक्रिया और नई शर्तों के कारण खरीद प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। मंडियों में न तो समय पर खरीद हो पा रही है और न ही फसल का उठान और भुगतान सुचारू रूप से हो रहा है। ऐसे में सांसद सैलजा का यह दौरा किसानों के लिए काफी अहम माना जा रहा है।बताया जा रहा है कि सांसद सैलजा पिछले कई दिनों से खरीद संबंधी समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में हैं और लगातार किसानों की आवाज उठा रही हैं।इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी बृजेंद्र सुरजेवाला सहित कई अन्य प्रमुख नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे, जिससे कार्यक्रम को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अनाज मंडी के दौरे के बाद सांसद सैलजा दोपहर करीब 3 बजे हरियल चौक स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पहुंचेंगी जहां वे पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगी।

पार्षद आशुतोष शर्मा ने क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखें, ताकि उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा सके।

स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त

एक डिपो से किताबें खरीदने की मजबूरी तुरंत बंद करें

नरवाना, 14 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : नरवाना में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। एसडीएम जगदीश चंद्र ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि विद्यार्थियों को किसी एक विशेष बुक डिपो से किताबें खरीदने के लिए मजबूर करना तुरंत बंद किया जाए, अन्यथा संबंधित स्कूलों की मान्यता तक रद्द की जा सकती है। एसडीएम ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कई निजी स्कूल अपने स्तर पर नियम बनाकर अभिभावकों को चयनित बुक डिपो से ही किताबें खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं। कुछ मामलों में एक ही प्रकाशन की किताबें लागू कर दी गई हैं। जो केवल तय डिपो पर ही उपलब्ध होती हैं। इससे अभिभावकों से मनमानी कीमत वसूली जा रही है। उन्होंने इस पूरे मामले को अभिभावकों का सीधा आर्थिक शोषण बताते हुए कहा कि इसमें स्कूल संचालकों और बुक डिपो मालिकों की मिलीभगत और कमीशनखोरी की आशंका है। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि इस तरह की मुनाफाखोरी तुरंत बंद की जाए। एसडीएम जगदीश चंद्र ने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्कूल के खिलाफ इस प्रकार की शिकायत मिलती है तो उसकी मान्यता और रजिस्ट्रेशन रद्द करने सहित सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।साथ ही उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि इस मामले पर कड़ी नजर रखी जाए और शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि यदि कोई स्कूल इस प्रकार की मनमानी करता है तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें ताकि दोषियों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : मीनाक्षी शर्मा

असंध, 14 अप्रैल (दलसिह मान) : नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। यह कानून महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि नीति निर्माण में सशक्त भागीदार बनाएगा। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण से मजबूत राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलेगा। अब यह कानून महिलाओं को और आगे बढ़ाने का काम करेगा । उपरोक्त विचार भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मीनाक्षी शर्मा सालवन ने कहे। मीनाक्षी शर्मा ने इसे ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक बताते हुए कहा कि आज नारी शक्ति केवल एक विचार नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है।

यह अधिनियम विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक प्रभावी योजनाएं संचालित की गई है जिन्होंने महिलाओं के जीवन के हर पहलू को सशक्त किया है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीनाक्षी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के कारण महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति की निर्माता बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक और प्रभावशाली कदम उठाए है।

खंड स्तरीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

राजौंद, 14 अप्रैल (नरेश कुमार) : मंगलवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में गुरु रविदास जन कल्याण ट्रस्ट राजौंद द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। ट्रस्ट के प्रधान रवि कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में उचाना हल्का के विधायक और कलायत हल्का के प्रभारी देवेन्द्र अत्री को आना था लेकिन उनका स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उनकी पत्नी ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की और रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने बाबा साहब द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलने का संदेश दिया और शिक्षित होने पर जोर दिया अपने बच्चों को पढ़ाने का जोरदार समर्थन किया। खंड के आसपास के गाँव के पंच सरपंच और 36 बिरादरी के युवाओं ने भाग लेकर इस पावन कार्य में अपनी आहुति डाली। इस अवसर पर राकेश कुमार बंगाली, नाथी, मोहन, मन्नू पहलवान, पवन आर्य, होशियार सिंह, महेश, सुरेश, समनदीप, अशोक पार्षद, सुखदेव, गौरी शर्मा, हरियाणा पुलिस की नशा मुक्ति टीम व ट्रस्ट के सभी सदस्य मौजूद रहे।

ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाती है शांभवी मुद्रा

भागदौड भरी जिंदगी में तनाव बढ़ना और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। ऐसे में योग की ओर लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है। योग की 'शांभवी मुद्रा' एक सरल और प्रभावी उपाय के रूप में सामने आई है। यह मुद्रा न केवल मन को शांत करती है बल्कि ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, शांभवी मुद्रा एक प्राचीन योगिक तकनीक है, जिसमें साधक अपनी आंखों की पुतलियों को भौंहों के बीच स्थित केंद्र पर स्थिर करने का प्रयास करता है। इस स्थान को योग में 'तीसरा नेत्र' भी कहा जाता है। इस अभ्यास का उद्देश्य मन को एकाग्र करना और आंतरिक शांति प्राप्त करना होता है। नियमित अभ्यास से मानसिक स्पष्टता बढ़ती है और व्यक्ति अपने विचारों पर बेहतर नियंत्रण कर पाता है। मान्यता है कि इस मुद्रा के अभ्यास से शरीर में ऊर्जा का प्रवाह संतुलित रहता है, जो मूलाधार चक्र से ऊपर उठकर आज्ञा चक्र तक पहुंचता है। यह प्रक्रिया शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक मानी जाती है। इसके अलावा, शांभवी मुद्रा तनाव हार्मोन कोर्टिसोल के स्तर को कम करने में मदद करती है और मस्तिष्क स्वास्थ्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण तत्व बीडीएनएफ को बढ़ावा देती है, जिससे मानसिक क्षमता और स्मरण शक्ति में सुधार होता है। इस मुद्रा को करना काफी सरल है। इसे करने के लिए किसी शांत स्थान पर सुखासन, सिद्धासन या कुर्सी पर सीधी पीठ के साथ बैठें।

हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रखें, जिसमें अंगूठा और तर्जनी उंगली आपस में मिलती हैं। आंखें खुली रखते हुए दृष्टि को भौंहों के बीच केंद्रित करें और सांस को सामान्य बनाए रखें। इस दौरान मन को भटकने न दें और धीरे-धीरे ध्यान बनाए रखने का प्रयास करें। शुरुआत में इसे प्रतिदिन 5 से 10 मिनट तक किया जा सकता है, जिसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 20 से 21 मिनट तक किया जा सकता है। हालांकि, शुरुआत में अभ्यास धीरे और सावधानी से करना चाहिए। यदि आंखों में तनाव महसूस हो तो अभ्यास रोक देना चाहिए।

गर्मियों में शरीर को ठंडक प्रदान करती है ककड़ी

गर्मी के मौसम में ककडी न केवल शरीर को ठंडक प्रदान करती है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी देती है। ककड़ी में 95 प्रतिशत से अधिक पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इसके नियमित सेवन की सलाह देते हैं, ताकि शरीर को अंदर से ठंडक मिले और गर्मी से जुड़ी समस्याओं से बचाव हो सके। ककड़ी शरीर में पानी की कमी को दूर करने में अहम भूमिका निभाती है। गर्मियों में अत्यधिक पसीना आने से शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिसे ककड़ी के सेवन से काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इसमें मौजूद पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स और आवश्यक खनिज शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं और पूरे दिन सक्रिय बनाए रखते हैं। यह शरीर के तापमान को संतुलित रखने में भी मदद करती है, जिससे लू लगने का खतरा कम हो जाता है। ककड़ी को सलाद, रायता या जूस के रूप में आसानी से आहार में शामिल किया जा सकता है। वजन घटाने के इच्छुक लोगों के लिए भी ककड़ी एक बेहतर विकल्प है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती है और अनावश्यक भोजन की इच्छा को कम करती है। इसके अलावा, ककड़ी पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या को दूर करता है और गैस व ब्लोटिंग जैसी परेशानियों से राहत दिलाता है। नियमित सेवन से पाचन प्रणाली बेहतर बनी रहती है। त्वचा के लिए भी ककड़ी काफी फायदेमंद मानी जाती है। इसमें मौजूद पानी और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। गर्मियों में चेहरे पर ककड़ी के टुकड़े लगाने से ठंडक मिलती है और सनबर्न से राहत मिलती है। यह त्वचा को साफ, ताजा और चमकदार बनाए रखने में सहायक होती है। इसके अतिरिक्त, ककड़ी का सेवन रक्तचाप को नियंत्रित रखने, हड्डियों को मजबूत करने, आंखों की थकान कम करने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में भी मदद करता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसे रोजाना आहार में शामिल करना लाभकारी होता है। ककड़ी का जूस, सलाद में टमाटर, प्याज और नींबू के साथ सेवन या दही के साथ रायता बनाकर खाना अच्छा विकल्प है। इसे सैंडविच या रोल्स में भी उपयोग किया जा सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि गर्मियों में प्रतिदिन कम से कम एक ककड़ी का सेवन अवश्य करना चाहिए। इसे अच्छी तरह धोकर, छीलकर या बिना छीले भी खाया जा सकता है।

रात में भूलकर भी न खाएं ये फूडस, वरना पड़ेगा पछताना

अधिकतर घरों में अगर दिन में चावल बने हैं और वह बच गए हैं तो लोग रात में भी उसे खा लेते हैं। लेकिन रात में व्हाइट राइस खाना अच्छा नहीं माना जाता है। दरअसल, इसमें कार्ब्स ज्यादा होते हैं, जो फैट में जल्दी बदलते हैं। साथ ही साथ, इससे ब्लड शुगर भी स्पाइक हो सकता है। चावल खाने के कुछ देर बाद ही आपको फिर से भूख लग सकती है। खाना शरीर का ईंधन है और इसलिए स्वस्थ रहने के लिए सही भोजन करना बेहद जरूरी है। अक्सर लोग अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए घर का खाना ही पसंद करते हैं। लेकिन आप किस समय क्या खा रहे हैं, यह बहुत अधिक मायने रखना है। खासतौर से, रात का खाना आपकी नींद, वजन और पाचन पर सीधा असर डालता है। इसलिए, रात का खाना बेहद सोच-समझकर चुनना चाहिए। हालांकि, अक्सर यह देखने में आता है कि लोग दिन का बचा हुआ खाना ही रात में खा लेते हैं। इससे भले ही उनका पेट भर जाए, लेकिन कहीं ना कहीं सेहत को काफी नुकसान होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ इंडियन फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको रात में खाने से बचना चाहिए-अनाज और पास्ता

चावल -अधिकतर घरों में अगर दिन में चावल बने हैं और वह बच गए हैं तो लोग रात में भी उसे खा लेते हैं। लेकिन रात में व्हाइट राइस खाना अच्छा नहीं माना जाता है। दरअसल, इसमें कार्ब्स ज्यादा होते हैं, जो फैट में जल्दी बदलते हैं। साथ ही साथ, इससे ब्लड शुगर भी स्पाइक हो सकता है। चावल खाने के कुछ देर बाद ही आपको फिर से भूख लग सकती है। इसलिए, अगर आपको चावल खाना ही है तो ब्राउन राइस खाएं या फिर चावलों को कम मात्रा में लें।

दही -रात के समय दही खाने से भी बचना चाहिए। बहुत से लोगों को रात में दही खाने या फिर फ्रिज की रखी हुई दही खाने से बलगम या सर्दी-खांसी की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, कभी-कभी इससे डाइजेशन की समस्या भी हो सकती है।

फ्राइड फूड -भले ही आपको फ्राइड फूड खाना कितना भी पसंद हो, लेकिन रात में फ्राइड फूड खाने से बचना चाहिए। रात के समय अगर आप समोसा या पकौड़ा खाएंगे तो इससे आपकी नींद खराब होगी। यह बहुत ही हैवी और ऑयली होते हैं, जिससे डाइजेशन की समस्या हो सकती है। साथ ही, इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है।

मीठा -अगर आपको डिनर के बाद मीठा खाने की आदत है तो इसे आज ही बदल दीजिए। मीठा खाने से एकदम से शुगर स्पाइक होता है, जिससे फैट स्टोरेज बढ़ता है। साथ ही, इससे आपकी क्रेविंग्स भी बढ़ सकती है। खासतौर से, अगर आपको हार्मोनल असंतुलन की समस्या है तो यह आपके लिए और भी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है।

वजन कम करने के लिए खाना छोड़ना सही उपाय नहीं: विशेषज्ञ

कुछ लोग बार-बार भूख लगने की आदत के कारण दिनभर कुछ न कुछ खाते रहते हैं, जिससे वजन लगातार बढ़ता जाता है। मोटापे के कारण शरीर मधुमेह, रक्तचाप और कमजोरी जैसी समस्याओं का शिकार हो जाता है। ऐसे में सही खान-पान और संतुलित आहार अपनाना बेहद जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार वजन कम करने के लिए खाना छोड़ना सही उपाय नहीं है, बल्कि सही और पोषक भोजन का चयन करना अधिक प्रभावी होता है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर सलाद इस दिशा में एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है, जो भूख को नियंत्रित करने के साथ-साथ शरीर को आवश्यक पोषण भी प्रदान करती है। सुबह के नाश्ते में फलों की सलाद एक अच्छा विकल्प मानी जाती है। पपीता, तरबूज और खरबूज जैसे फलों को शामिल करके हल्की और पोषक सलाद तैयार की जा सकती है। एक ही प्रकार के गुणों वाले फलों को मिलाकर सेवन करना बेहतर माना जाता है। इसके साथ अंजीर और विभिन्न सीड्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिससे स्वाद बढ़ने के साथ-साथ शरीर को अतिरिक्त पोषण मिलता है। इस प्रकार की सलाद शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने में भी मदद करती है। यदि सुबह फल खाना पसंद न हो तो हाई प्रोटीन सलाद का विकल्प चुना जा सकता है। इसके लिए अंकुरित दाल या चने के साथ टमाटर, प्याज और नींबू मिलाकर सलाद तैयार की जा सकती है। इससे शरीर को प्रोटीन और ऊर्जा दोनों प्राप्त होती हैं। हालांकि ध्यान रखना चाहिए कि अंकुरित दाल या चने को कच्चा खाने के बजाय हल्का उबाल लेना चाहिए, क्योंकि कच्चे रूप में सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। दोपहर के भोजन से पहले खीरा, टमाटर, चुकंदर और गाजर की सलाद का सेवन करना लाभकारी होता है। यह सलाद फाइबर और विटामिन से भरपूर होती है, जो न केवल भूख को नियंत्रित करती है बल्कि शरीर को आवश्यक पोषण भी प्रदान करती है। इसे भोजन से लगभग आधा घंटा पहले लेने से पाचन बेहतर होता है और भोजन की मात्रा भी संतुलित रहती है। रात के समय हल्के भोजन के रूप में ग्रीन सलाद का सेवन किया जा सकता है। इसमें शिमला मिर्च, पालक और उबले हुए चने शामिल किए जा सकते हैं। पालक और अन्य हरी सब्जियों को अच्छी तरह धोकर और हल्का उबालकर ही सेवन करना चाहिए।

बदलती जीवनशैली बच्चों में बढ़ा रहा हार्टअटैक का खतरा

किशोरों और युवाओं में भी हार्ट अटैक और इससे होने वाली मौतों की खबरें लगातार सुनने को मिलती हैं। ऐसे में लोगों के मन में एक सवाल भी रहता है कि क्या 10 साल से कम उम्र के बच्चों को भी हार्ट अटैक का जोखिम हो सकता है।

दुनियाभर में दिल की बीमारियां स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम बनी हुई है। बीते एक दशक का आंकड़ा उठाकर देखा जाए, तो न सिर्फ इन बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ा है, बल्कि कम उम्र वाले लोग भी तेजी से इसका शिकार होते जा रहे हैं। किशोरों और युवाओं में भी हार्ट अटैक और इससे होने वाली मौतों की खबरें लगातार सुनने को मिलती हैं। ऐसे में लोगों के मन में एक सवाल यह भी रहता है कि क्या बच्चे भी इसका शिकार हो सकते हैं। क्या 10 साल से कम उम्र के बच्चों को भी हार्ट अटैक का जोखिम हो सकता है। कुछ समय पहले तक हाई कोलेस्ट्रॉल, बढ़ती उम्र या लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों को हार्ट अटैक का प्रमुख कारण माना जाता है। लेकिन अध्ययनों से यह पता चलता है कि खानपान, बदलती लाइफस्टाइल और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कम उम्र में दिल को कमजोर बना रही हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या मासूम बच्चे इन बीमारियों से सुरक्षित हैं या फिर उनमें भी हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।

कम उम्र वालों में हार्ट अटैक

हृदय रोग एक्सपर्ट की मानें, तो 20 साल से कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। इसके लिए असंतुलित खानपान और गड़बड़ लाइफस्टाइल एक बड़ा कारण है। ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड फूड, ट्रांस फैट और चीनी से भरपूर डाइट धमनियों में फैट जमा करता है। जिस कारण ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और हार्ट अटैक हो सकता है।

वहीं व्यायाम न करना, ऑफिस में लंबे समय तक बैठे रहना, हाई बीपी, बढ़ता मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी स्थितियों ने हार्ट अटैक के जोखिम को कई गुना तक बढ़ा देता है।

लंबे समय तक स्ट्रेस की वजह से शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे हाई बीपी और हार्ट अटैक हो सकता है।

10 साल से कम उम्र के बच्चों में हार्ट अटैक का जोखिम

आमतौर पर 1 से 3 साल तक के बच्चों में हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। इस तरह के मामले काफी ज्यादा दुर्लभ माने जाते हैं। यह उम्र चलने-फिरने और दौड़ने वाला होता है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी की वजह से टॉडलर या प्री-स्कूलर बच्चों में हार्ट अटैक होना दुर्लभ है। हालांकि कुछ बच्चों में हार्ट की खराबी, आनुवांशिक हार्ट और जन्मजात हृदय रोग से संबंधित समस्याओं या कावासाकी बीमारी जैसी दुर्लभ बीमारियों की वजह से दिल संबंधित रोगों और जटिलताओं का खतरा हो सकता है।ऐसे बच्चों में बहुत ज्यादा थकान, तेजी से सांस लेने, चिड़चिड़ापन और दिल की धड़कनों के अनियमित रहने का जोखिम हो सकता है। वहीं कुछ स्थितियों में गंभीर रूप लेने वाली हो सकती है।

बच्चों में इस खतरे को ऐसे पहचानें--एक्सपर्ट के मुताबिक वयस्कों में हार्ट अटैक से उलट बच्चों को लाइफस्टाइल के कारण से हार्ट अटैक का जोखिम बहुत कम या न के बराबर होता है। जन्मजात दिल की बीमारी या फिर कावासाकी जैसे रोग ब्लड वेसल पर असर डाल सकती है। जिसकी वजह से दिल तक ब्लड सर्कुलेशन बाधित हो जाता है। ऐसे में अगर आपके बच्चे में जन्मजात दिल की बीमारी है, तो कुछ लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। बच्चों के चलने-दौड़ने, सीने में दर्द या मेहनत के दौरान दर्द होना चेतावनी हो सकता है।

बिना किसी वजह के बेहोशी और अचानक गिर जाना भी दिल की बीमारियों का संकेत है।

सांस लेने में तकलीफ होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। दिल की धड़कन अनियमित या तेज रहना हार्ट की समस्या हो सकती है।

बच्चों में हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बच्चों में बढ़ती दिल की बीमारियों के लिए हाई बीपी को एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

होम्योपैथी: मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

गरीबों, दलितों के मसीहा बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक : जगदीप वाल्मीकि

करनाल, 14 अप्रैल (सोनी दुआ) : अम्बेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा के नजदीक अम्बेडकर ब्लू क्लब हरियाणा द्वारा गरीबों, दलितों के मसीहा भारत रत्न डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती बड़े पैमाने पर मनाई गई, क्लब सदस्यों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करने के बाद कार्यक्रम की शुरुआत की। अम्बेडकर ब्लू क्लब हरियाणा के जिलाध्यक्ष जगदीप वाल्मीकि ने बताया कि आज पूरा देश डॉ. अम्बेडकर साहब की जयंती मना रहा है, क्योंकि बाबा साहेब भारत वर्ष के गरीबों, दलितों के मसीहा थे, उनके विचार आज भी प्रासंगिक बने हुए है। उनके विचारों पर ही आज भारत की नींव टिकी हुई है। क्लब के प्रदेशाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि आज देश में एससी, एसटी वर्ग के लोग मान सम्मान ओर समानता के अवसरों के साथ आगे बढ़ पा रहे है, ये सब डॉ. भीम राव अम्बेडकर ओर राष्ट्रपिता ज्योतिबा फूले की देन है। दोनों ही महापुरुषों का ऋण दलित समाज कभी नहीं उतार सकता। कोषाध्यक्ष महावीर जोगी, रिंकू पांचाल, विकास शर्मा, विनोद सेन, रणबीर कश्यप, कमल वाल्मीकि, विनोद वाल्मीकि, प्रदीप वाल्मीकि, रिटा. इंसपेक्टर महेंद्र सिंह, संजय कोबरा, सुभाष कश्यप, प्रदीप वाल्मीकि, संदीप जाटव सुखविंद्र सिंह, राजेश राठी, अजय, बसंत वाल्मीकि, राजकुमार जोगी, विनोद वाल्मीकि ने संयुक्त रूप से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन और उनके द्वारा समाज के लिए किए गए अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। क्लब सदस्यों ने सर्व समाज की ओर से निकाली गई भव्य शोभायात्रा का भी क्लब सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस के नवनिर्वाचित राज्य सभा सांसद कर्मबीर बौद्ध, वरिष्ठ एडवोकेट अमृत बिसियर सहित गणमान्य व्यक्ति भी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे।

अम्बेडकर चौक पर अम्बेडकर ब्लू क्लब हरियाणा का भव्य आयोजन

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कुरुक्षेत्र, 14 अप्रैल (करणदीप सिंह) : नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र के योग भवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक क्रांति और राष्ट्र निर्माण के अग्रदूत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. राम भक्त लांग्यान (पूर्व आईएएस एवं अध्यक्ष, अंबेडकर भवन कुरुक्षेत्र) ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा स्थापित सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के मूल्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा देने में अत्यंत प्रासंगिक हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने एक-एक क्षण शिक्षा को प्राप्त करने में लगाया। उनका जीवन हमारे लिए एक आदर्श है। हम सभी को उनके संघर्षपूर्ण जीवन से शिक्षा लेकर अपना-अपना लक्ष्य बनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाबा साहेब की शिक्षाओं से संबंधित साहित्य भी वितरित किया गया, जिससे वे उनके विचारों और शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर सकें। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब के जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित सभी को गहराई से प्रभावित किया। इसके साथ ही सांसद नवीन जिन्दल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए किए गए प्रयासों पर आधारित एक विशेष फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसने छात्रों में राष्ट्रभक्ति और जागरूकता की भावना को और प्रबल किया। इस अवसर पर निबन्ध लेखन, स्लोगन लेखन, पेंटिंग प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता 30 मेधावी छात्रों को नकद राशि व आकर्षक पुरस्कार दिए गए। इन छात्रों में प्राची, देवर, सुजल, अर्पिता, मेघराज, पलक, ज्योति रानी, मनस्वी, एंजेल अरोड़ा, हिमांशी, मन्नत, नीति, दैविक, साधिका दीक्षित, नंदिनी वर्मा, कार्तिक, सोमेश, सन्वी, गौरव सैनी, इंद्रजीत सिंह, विनायक भाटिया, शिव अरोड़ा, युवानी, हविशा मेहरा, तनित धीमान, यथार्थ गर्ग, जसन, कुश करण, अनहद और यशी शामिल रहे। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों को सांसद नवीन जिन्दल की ओर से बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन पर आधारित पुस्तक और राष्ट्रीय ध्वज भेंट किए गए। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन निरंतर ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करता रहेगा, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के विचारों से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेकर एक बेहतर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए उन्होंने विद्यालय प्रशासन का धन्यवाद किया।

गलैक्सी ग्रुप के प्रयासों से देव गुरुकुल ने की शिक्षा ओर संस्कार के क्षेत्र में प्रेरणादायक पहल : विनोद गोयल

तरावड़ी, 14 अप्रैल (छाया शर्मा) : गलैक्सी ग्रुप के अथक प्रयासों से देव गुरुकुल ने शिक्षा ओर संस्कार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक पहल करते हुए जेनेसिस कक्षाओं का भव्य एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया। यह अवसर न केवल एक नई शैक्षणिक शुरुआत का साक्षी बना, बल्कि सेवा, संस्कार और श्रेष्ठ शिक्षा के समन्वय का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करता नजर आया। गलैक्सी ग्रुप के चेयरमैन विनोद गोयल, कृष्ण गोयल एवं विजय गोयल ने स्वयं मौके पर पहुंचकर न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि पूरे आयोजन को एक उच्च स्तर की गरिमा और अनुशासन प्रदान किया। विद्यार्थियों के लिए बैठने, मार्गदर्शन, सुरक्षा और सुविधा से जुड़े हर पहलू पर बारीकी से ध्यान दिया गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि गलैक्सी ग्रुप शिक्षा को केवल नाम ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता और प्रतिबद्धता का भी प्रतीक बन चुका है। जेनेसिस के चेयरमैन जितेंद्र अहलावत के नेतृत्व में इस अवसर पर यह संकल्प दोहराया गया कि हर विद्यार्थी को उसकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जेनेसिस संस्थान पहले से ही करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, शामली और मुरादाबाद में अपनी गुणवत्ता का परचम लहरा रहा है, जहां हजारों छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। देव गुरुकुल प्रबंधन समिति के चेयरमैन विनोद गोयल, कृष्ण गोयल, विजय गोयल एवं निदेशक मैनपाल शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य शिक्षा को एक नई दिशा देना है, जहां विद्यार्थी केवल परीक्षा पास करने तक सीमित न रहें, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करें। उन्होंने विश्वास जताया कि जेनेसिस कक्षाओं की यह शुरुआत क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम में कर्नल अरुण दत्ता, कर्नल अशोक मोर, डॉ. नितेंद्र अहलावत सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

कलायत अनाज मंडी पहुँचे विधायक विकास सहारण; खरीद व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरा

कलायत, 14 अप्रैल (सूबे सिंह मोर) : हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के बीच, कलायत से कांग्रेस विधायक विकास सहारण ने स्थानीय अनाज मंडी का औचक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों और आढ़तियों की समस्याएं सुनीं और खरीद प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोल

किसानों के साथ खड़े नजर आए सहारण

विधायक विकास सहारण ने मंडी के प्रत्येक शेड का दौरा किया, जहाँ उन्होंने फसल के ढेर और उठान की सुस्त रफ्तार पर गहरी चिंता व्यक्त की। किसानों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अन्नदाता अपनी फसल को मंडी में लाने के बाद भी सरकार की कुप्रबंधन वाली नीतियों के कारण परेशान है।

सरकार पर उठाए गंभीर सवाल

सहारण ने भाजपा सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताते हुए निम्नलिखित मुख्य बिंदु उठाए: **उठान की समस्या :** उन्होंने आरोप लगाया कि मंडी में फसल तो आ रही है, लेकिन उसका समय पर उठान नहीं हो रहा, जिससे मंडियों में जगह की कमी हो गई है।

भुगतान में देरी : विधायक ने कहा कि सरकार 72 घंटे में भुगतान का दावा करती है, लेकिन हकीकत में किसान अपने ही पैसे के लिए दर-दर भटक रहा है।

पोर्टल की परेशानी : उन्होंने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा जैसे पोर्टल्स पर आने वाली तकनीकी दिक्कतों को किसानों के लिए मानसिक प्रताड़ना करार दिया। भाजपा सरकार केवल विज्ञापनों में किसान हितैषी होने का ढोंग करती है। जमीनी हकीकत यह है कि आज कलायत की अनाज मंडी में किसान और आढ़ती दोनों बेबस हैं। कांग्रेस पार्टी सदन से सड़क तक किसानों के हक की लड़ाई लड़ेगी। विकास सहारण, विधायक (कलायत) अधिकारियों को दी चेतावनी दौरे के अंत में विधायक ने संबंधित अधिकारियों और मार्केट कमेटी के सचिव से बात की और उन्हें सख्त निर्देश दिए कि खरीद और उठान की प्रक्रिया में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी।

परिश्रम, समृद्धि और नई शुरुआत का संदेश देता है बैसाखी पर्व : रागिनी राय

तरावड़ी, 14 अप्रैल (छाया शर्मा) : गीता मॉडर्न सीनियर सैकेंडरी स्कूल तरावड़ी में बैसाखी पर्व एवं अंबेडकर जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। विद्यार्थियों ने बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें पंजाब की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। बच्चों के जोश और उमंग से भरे इन नृत्यों ने उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे छात्रों ने अपनी प्रस्तुति से माहौल को उत्सवमय बना दिया। विद्यार्थियों द्वारा एक प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के माध्यम से डॉ. अंबेडकर के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को सजीव रूप में दर्शाया गया। छात्रों ने उनके संघर्ष, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज सुधार के लिए किए गए प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे सभी दर्शक भाव-विभोर हो उठे। विद्यालय की प्रधानाचार्या रागिनी राय ने कहा कि बैसाखी का पर्व हमें परिश्रम, समृद्धि और नई शुरुआत का संदेश देता है, वहीं डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें शिक्षा, समानता और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया और कहा कि यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विद्यालय के प्रबंधक बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि बैसाखी हमें एकता और भाईचारे का संदेश देती है, जबकि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें समाज में समानता स्थापित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सराहा गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस प्रकार, यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध रहा, बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक और नैतिक मूल्यों से भी जोड़ने में सफल रहा।

विद्यार्थियों ने किया प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत

गुरुद्वारा बंगला साहिब में लेंटर की कार सेवा में हजारों संगतें शामिल हुईं-हरमीत कालका

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों की अगुवाई में कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आज गुरुद्वारा बंगला साहिब कॉम्प्लेक्स में लेंटर डालने की कार सेवा में भाग लिया। इस मौके पर बातचीत करते हुए सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि बाबा बचन सिंह जी कार सेवा वालों के आशीर्वाद से तथा बाबा सुरिंदर सिंह जी, बाबा सतनाम सिंह जी और बाबा रवि सिंह जी की अगुवाई में यह कार सेवा चल रही है, जिसमें दिल्ली की संगतें बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि बाबा बचन सिंह जी के आशीर्वाद से कमेटी के कई कार्यों की कार सेवा उनकी टीम द्वारा की जा रही है, जिसके लिए दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा कि यह गुरु साहिब का आशीर्वाद है कि हमें इस कार सेवा में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरु घर में कार सेवा में हिस्सा लेना बहुत भाग्यशाली लोगों को मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में कमेटी की मौजूदा टीम द्वारा बनाई गई योजनाओं के तहत कई प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं और कई प्रोजेक्ट्स की कार सेवा जारी है, जो अलग-अलग चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि संगतों के सहयोग से ये कार्य जल्द ही पूरे किए जाएंगे।

प्रदीप मैनन बने आल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष

संगरूर/सुनाम 14 अप्रैल (मोहन शर्मा)श्री प्रदीप मैनन जी को ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के प्रधान एव पूर्व राज्य मंत्री(राजस्थान सरकार) माननीय एसडी शर्मा जी के दिशा निर्देशों प्रदीप मैनन जी को ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन का राष्ट्रीय स्पोक्समैन एवं उप प्रधान नई टीम द्वारा आगामी तीन वर्ष के लिए बनाया गया है इस से पहले राष्ट्रीय प्रधान प्रदीप ज्योति जी केरला से उद्योगपति और उनसे पहले स्वर्गीय भंवरलाल शर्मा जी जो लगातार 6 बार सरदार शहर से विधायक रह चुके थे प्रधान रहे उनसे पहले प्रोफेसर देवेंद्र शर्मा जम्मू, कोटा शंकर जी साउथ के ब्राह्मण नेता इस संस्था के प्रधान रह चुके हैं सभी ने बहुत अच्छे कार्य किया नई टीम से भी देशभर में खुशी की लहर है इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए श्री प्रदीप मैनन जी ने बताया कि वह माननीय श्री एस डी शर्मा जी का बहुत धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने मुझे यह सेवा करने का अवसर प्रदान किया जो जिम्मेदारी उनको सोपी गई है वह सदा बड़ी मेहनत और लगन से काम करेंगे इस मौके पर सभी ब्राह्मण भाईचारे की तरफ से मैनन परिवार को इस शुभ अवसर पर बधाई दी गई इस अवसर पर ब्राह्मण सभा की मैडम गीता शर्मा संजीव शर्मा सुनाम के अध्यक्ष हरभगवान शर्मा जिला अध्यक्ष नंद लाल शर्मा ब्रजलाल शर्मा रामपाल शर्मा मोहन शर्मा राजिंदर शर्मा ठाकुर शर्मा विक्की शर्मा पाली शर्मा सतभुशन शर्मा और सभी ब्राह्मण भाईचारे ने इस अवसर पर मैनन परिवार को बधाई दी।

आफिस के बाहर छात्रों का नुक्कड़ नाटक, प्रदूषण के खिलाफ दिया संदेश, जागरुक करने का प्रयास

लुधियाना 14 अप्रैल (निस) जीएमटी स्कूल के +2 के विद्यार्थियों ने डीसी ऑफिस के बाहर पर्यावरण संरक्षण और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। छात्रों ने अपनी शानदार प्रस्तुति के जरिए लोगों को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया।

पॉलीथिन के बढ़ते इस्तेमाल पर भी जताई चिंता-नाटक में दिखाया गया कि किस तरह लोग लापरवाही से सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा फेंकते हैं, जिससे गंदगी के साथ-साथ प्रदूषण भी बढ़ता है। विद्यार्थियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई रखें और कचरा इधर-उधर न फैलाएं। छात्रों ने पॉलीथिन के बढ़ते इस्तेमाल पर भी चिंता जताई और इसे कम करने की अपील की। उन्होंने बताया कि पॉलीथिन न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि इसे खाने से आवारा पशुओं की जान भी खतरे में पड़ जाती है। छात्रों ने सुझाव दिया कि स्कूलों में बच्चों को लंच के लिए पॉलीथिन की बजाय बेहतर विकल्प दिए जाएं।

अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का दिया संदेश इसके अलावा, विद्यार्थियों ने पेड़-पौधों की अहमियत को भी उजागर किया और कहा कि बिना वजह पेड़ों की कटाई न की जाए। अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संदेश भी दिया गया। नुक्कड़ नाटक के दौरान छात्रों ने अपने अभिनय और संवाद के जरिए वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया अंत में उन्होंने सभी से संकल्प लेने की अपील की कि वे कूड़ा नहीं फैलाएंगे, पॉलीथिन का कम इस्तेमाल करेंगे और पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान देंगे। मौके पर मौजूद लोगों ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए उनके संदेश को अपनाने का भरोसा जताया।

महिला को बहलाकर ले जाने व दुष्कर्म करने के आरोप में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर, 14 अप्रैल (दिनेश कुमार) : थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने महिला को बहलाकर ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हलवाई का कार्य करता है। अगस्त माह में इस मामले में पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी इसके बाद से ही आरोपी की तलाश की जा रही थी। थाना प्रभारी जगबीर सिंह ने बताया कि पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया था कि 24 अगस्त 2025 को उसकी पत्नी तीन माह के बच्चे के साथ लापता हो गई थी। काफी तलाश करने पर भी कोई पता नहीं लगा। जिस पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली थी। इस केस में तफ्तीश शुरू की गई तो पता लगा कि महिला को उत्तर प्रदेश के जिला शामली के एक कस्बा निवासी हर्ष सैनी अपने साथ बहलाकर ले गया है। आरोपी उसके कस्बे का ही रहने वाला है। इनकी तलाश की जा रही थी। महिला को बरामद किया गया। उसके कोर्ट में बयान कराए तो महिला ने बताया कि आरोपी हर्ष ने उसके साथ गलत काम किया है। जिसके बाद इस मामले में दुष्कर्म की धारा इजाद की गई। तभी से आरोपी की तलाश की जा रही थी। अब आरोपी को करनाल के घरौंडा से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

जेपीएस अकादमी में विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास से मनाया बैशाखी पर्व

चिड़ाव, 14 अप्रैल (प्रवीन कुमार) : शहर के जेपीएस अकादमी में विद्यार्थियों ने बैशाखी पर्व संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें स्कूली विद्यार्थी विभिन्न पंजाबी गीतों की प्रस्तुतियों पर खूब थिरके। बच्चों ने पंजाबी गीतों पर सुंदर नृत्य पेश कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य बलराज सिंह ने की। बलराज सिंह ने बैशाखी पर्व पर भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। बैशाखी जीवन में नई उमंगे व जोश लेकर आती है। हमें पर्व के महत्व को समझते हुए धूमधाम से मनाना चाहिए। बलराज सिंह ने बताया कि बैशाखी हमारे मुख्य पर्वों में से एक है। जो बैशाख माह में फसल पकने पर मनाया जाता है। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

शिक्षा से ही होगा समाज का उत्थान : मेयर सुमन बहमनी

भेदभाव खत्म किए बिना नहीं साकार होगा बाबा साहेब का सपना, अंबेडकर जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों में मेयर सुमन बहमनी मुख्य अतिथि के रूप में हुईं शामिल

यमुनानगर, 14 अप्रैल (दिनेश कुमार) : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नगर के गांव खेड़ा, गोविंदपुरी, मानकपुर सहित विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में नगर निगम मेयर सुमन बहमनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर बाबा साहेब को नमन किया और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रमों के दौरान मेयर सुमन बहमनी ने सर्वप्रथम श्री गुरु रविदास मंदिर पहुंचकर गुरु रविदास जी के चरणों में माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास जी और डॉ. अंबेडकर जी ने समाज में समानता, भाईचारे और न्याय का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इस अवसर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य अमर सिंह नंदगढ़, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के चेयरमैन अशोक कुमार, पार्षद रीना रस्तोगी और पार्षद जयंत स्वामी, प्रांजल, सपना सहित कई गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जी केवल संविधान निर्माता ही नहीं,

बल्कि सामाजिक समरसता और समान अधिकारों के महान योद्धा थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन में समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। आज हम सभी का कर्तव्य है कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए एक समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है। बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया और इसी के माध्यम से उन्होंने स्वयं को सशक्त बनाकर पूरे देश को नई दिशा दी। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वे शिक्षा को अपनाकर अपने जीवन को सफल बनाएं और देश के विकास में योगदान दें। मेयर ने कहा कि आज का दिन केवल जयंती मनाने का नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करने का है। जब तक समाज में भेदभाव समाप्त नहीं होगा, तब तक बाबा साहेब के सपनों का भारत साकार नहीं हो सकता। हमें मिलकर एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई, जिनमें बच्चों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बाबा साहेब के जीवन एवं उनके संघर्षों को प्रस्तुत किया। इस दौरान आयोजकों द्वारा मेयर सुमन बहमनी का सम्मान भी किया गया, जिस पर उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। मेयर सुमन बहमनी ने सभी आयोजकों और उपस्थित जनसमूह का धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे डॉ. अंबेडकर जी के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं और समाज को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें।

कुरुक्षेत्र लोकसभा में नारी शक्ति वंदन पदयात्रा 16 को

भाजपा नेत्रियों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तीकरण का कदम

कुरुक्षेत्र, 14 अप्रैल (करणदीप सिंह) : भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गीता कमल में नारी शक्ति वंदन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला टीम से महिला नेत्री जिला उपाध्यक्ष अनु माल्यान, प्रदेश महिला मोर्चा सचिव रेखा बाल्मीकि, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष वंदना गौरी, विजय लक्ष्मी, परमजीत कश्यप, रेणु खुग्गर, ज्योति खनगवाल आदि ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक है, जो महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति की निर्माता बनने की दिशा

मे सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम केवल एक संवैधानिक संशोधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार है। जिला अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह गोल्डी अध्यक्ष ने बताया कि कुरुक्षेत्र लोकसभा में 16 अप्रैल को महिला पद यात्रा निकली जाएंगी। प्रदेश में सभी जिला में इस बिल को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तीकरण अब केवल समानता या प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना समय की मांग है नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होगा। जिला उपाध्यक्ष अनु माल्यान के कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति के लिए जो कार्य किए हैं आज तक किसी राजनीतिक दल ने महिलाओं को इतना मान सम्मान नहीं दिया जिसकी बदौलत देश की सर्वोच्च पंचायत लोकसभा के साथ-साथ विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से अब मातृशक्ति चौका-चूल्हा के साथ-साथ विधानसभा व लोकसभा में भी समुचित प्रतिनिधित्व करती नजर आएगी। भाजपा नेत्रियों विजय लक्ष्मी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत 16 अप्रैल को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाली पदयात्रा में अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने इस अभियान को महिला सशक्तिकरण, समान भागीदारी और सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। अनु मल्याण ने कहा कि यह पदयात्रा महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सामाजिक पहल के रूप में आयोजित की जा रही है। प्रदेश सदस्य वरिष्ठ नेत्री रेखा वाल्मीक ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान महिलाओं को उनके अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम है। महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना देश के लिए एक ऐतिहासिक घटना है, जिससे महिलाओं की भागीदारी को नई दिशा मिलेगी। 16 अप्रैल को कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में आयोजित पदयात्रा के माध्यम से महिलाएं एकजुट होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगी और समाज में सकारात्मक संदेश देंगी। सभी महिलाओं और नागरिकों से इस पदयात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान है। साथ ही यह अवसर है कि हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपना आभार व्यक्त करें। भाजपा नेत्री ज्योति खनगवाल ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के कारण माध्यमिक शिक्षा स्तर पर लड़कियों का नामांकन बढ़कर 80.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वर्ष 1952 में लोकसभा में केवल 22 महिलाएं थीं, जो 2024 में बढ़कर 75 हो गई हैं, जबकि राज्यसभा में महिलाओं की भागीदारी 17 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

मुख्यमंत्री द्वारा बाबैन में की गई घोषणाएं शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती देंगी : नायब पटाक माजरा

बाबैन, 14 अप्रैल (राजेश कुमार) : महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के अवसर पर सैनी समाज सभा द्वारा आयोजित भव्य समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जिससे पूरे बाबैन क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनी समाज सभा का बाबैन में नर्सिंग कॉलेज खोलने के लिए 51 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा बाबैन-मथाना रोड को चौड़ा करने की घोषणा की, जिसे क्षेत्रवासियों ने विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। इन घोषणाओं पर सैनी शिक्षा समिति के प्रधान नायब सिंह पटाक माजरा सहित सैनी समाज सभा के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया। नायब पटाक माजरा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई ये घोषणाएं न केवल बाबैन को शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती देंगी बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में भी अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने नर्सिंग कॉलेज की स्थापना को लेकर कहा कि इससे क्षेत्र के युवाओं, खासकर बेटियों को घर के पास ही उच्च शिक्षा प्राप्त

करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल होगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। नायब पटाक माजरा ने कहा कि बाबैन-मथाना रोड के चौड़ीकरण मांग लंबे समय से क्षेत्र की एक प्रमुख मांग रही है। इस सडक़ के चौड़ा होने से यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाओं में कमी आएगी और आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने समारोह में बड़ी संख्या में पहुंचे सर्व समाज के लोगों का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के सामाजिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों में जनभागीदारी समाज की एकता और जागरूकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार आज भी समाज को शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी सैनी समाज सभा इसी प्रकार के कार्यक्रम समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर मार्कीट कमेटी बाबैन के चेयरमैन जसविन्द्र जस्सी, सैनी समाज सभा के पूर्व सचिव कौशल सैनी, भाजपा नेता डिम्पल सैनी, धनानी के सरपंच सुखश्याम सैनी, बिन्ट के पूर्व सरपंच रणबीर सिंह, कठुआ के पूर्व सरपंच अमरेन्द्र सिंह, गौरव बन सहित समाज के अनेक गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेफ सिटी अभियान के तहत हार्टरोन एकेडमी यमुनानगर में छात्राओं को किया गया जागरूक

यमुनानगर, 14 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस अधीक्षक यमुनानगर कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सेफ सिटी अभियान के अंतर्गत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कार्य करते हुए जिला की सेफ सिटी पुलिस टीम की एएसआई नीलम ने हार्टरोन एकेडमी यमुनानगर में छात्राओं को सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान

एएसआई नीलम ने छात्राओं को 112 इमरजेंसी सेवा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मौके पर ही छात्राओं के मोबाइल फोन में 112 एप डाउनलोड करवाया और उसके सही उपयोग की प्रक्रिया समझाई। एएसआई नीलम ने बताया कि 112 एप के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति में केवल एक बटन दबाकर तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस एप के जरिए कॉल करने पर संबंधित व्यक्ति की लोकेशन स्वत: पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंच जाती है, जिससे समय पर मदद मिलना संभव हो पाता है। उन्होंने महिलाओं को बताया कि यात्रा के दौरान, विशेषकर अकेले सफर करते समय, अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा के बारे में भी जानकारी दी गई। एएसआई नीलम ने बताया कि ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा के तहत महिलाएं अपने यात्रा विवरण जैसे वाहन नंबर, चालक का नाम, यात्रा का समय व गंतव्य स्थान पुलिस के साथ साझा कर सकती हैं। इससे यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस तुरंत संबंधित स्थान तक पहुंचकर सहायता प्रदान कर सकती है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को छेड़छाड़, पीछा करने, अश्लील टिप्पणियों, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के बारे में भी जागरूक किया गया। एएसआई नीलम ने स्पष्ट किया कि ऐसे किसी भी अपराध को सहन न करें और बिना किसी झिझक के तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महिलाओं की शिकायतों पर पुलिस द्वारा गोपनीयता बनाए रखते हुए त्वरित व प्रभावी कार्रवाई की जाती है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेफ सिटी टीम द्वारा चलाए जा रहे इन जागरूकता अभियानों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को आत्मनिर्भर व निडर बनाना है, ताकि वे सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें। इस दौरान महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबर, आपातकालीन सेवाओं और कानूनी पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जिला पुलिस द्वारा सेफ सिटी अभियान के तहत भविष्य में भी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, शिक्षण संस्थानों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि महिलाओं की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

अंबेडकर जयंती पर गूंजा समानता का संदेश, किसानों के समर्थन में भी उठी आवाज

निसिंग, 14 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर करनाल में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया गया। हरियाणा वाल्मीकि अंबेडकर महासभा, बहुजन स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन और अखिल भारतीय सेंधव समाज के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष व हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. राजेश वैध वाल्मीकि ने कहा कि बाबा साहब द्वारा रचित संविधान ने देश के हर नागरिक को समानता और मतदान का अधिकार दिया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बाबा साहेब के संविधान पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने दी

जाएगी। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और गरीब वर्ग के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। आज का लोकतंत्र उनके सिद्धांतों पर ही मजबूती से खड़ा है। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज के करनाल से सेशन जज रहे स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में भी डॉ. राजेश वैध शामिल हुए। उनके पुत्र अधिकारी राजीव प्रसाद द्वारा वाल्मीकि आश्रम में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सुशील कुमार ने की। अपने संबोधन में डॉ. वैध ने कहा कि बाबा साहब केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिसे अपनाकर ही समाज से भेदभाव और असमानता को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और सामाजिक समरसता को मजबूत करें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी टिप्पणी करते हुए किसानों के आंदोलन का खुला समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान अपनी जायज मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर है, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरंत किसानों की समस्याओं का समाधान करे, ताकि प्रदेश में शांति और स्थिरता बनी रहे। इस मौके पर रोबिन माइकल, प्रोफेसर सुशील, पोली राम, प्रोफेसर रवीश, डॉ. जितेंद्र, डॉ. रामजुहारी, डॉ. गुरचरण, डॉ. कुलदीप, रविंद्र शर्मा, सोनू कश्यप सहित सैकड़ों अंबेडकरवादी उपस्थित रहे।

सालवन में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

असंध, 14 अप्रैल (दलसिह मान) : सालवन गांव में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। रविदास मंदिर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा बल्ला मंडल अध्यक्ष जय भगवान जांगड़ा ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत का संविधान बनाने का गौरव डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को प्राप्त है। भारत रत्न से सम्मानित देश के प्रथम कानून मंत्री डॉ अंबेडकर जैसी शख्सियत सदियों मै कोई एक पैदा होती है। उनका पूरा जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है। सरपंच जयवीर फौजी ने कहा कि आज उनकी जयंती पर हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए तथा उनके बताए रास्तों पर चलना चाहिए यही उनका सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सरपंच जयवीर फौजी, जय भगवान जांगड़ा, अमित राणा, जगदीश भोरिया, मदन, सुशील, जयमल, रोहतास, वेद, किरण पाल, सोनू, शेर सिंह, राजेश व प्रदीप सहित आदि मौजूद रहे।

रक्तदान के साथ-साथ प्लेटलेट्स दान में भी आगे आए युवा : दिनेश बक्शी

करनाल, 14 अप्रैल (सोनी दुआ) : मानवता की सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण उस समय देखने को मिला जब दिनेश बक्शी ने आधी रात को प्लेटलेट्स दान कर एक जरूरतमंद मरीज की मदद की। जानकारी के अनुसार रात के समय पार्क अस्पताल से दिनेश बक्शी को फोन आया कि एक मरीज को डायलिसिस के लिए तुरंत बी+प्लेटलेट्स की आवश्यकता है। बिना समय गंवाए वे तुरंत अस्पताल पहुंचे और प्लेटलेट्स दान कर मरीज के उपचार में सहयोग दिया। मरीज के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कई लोगों से संपर्क किया, लेकिन देर रात होने के कारण कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। ऐसे में दिनेश बक्शी का सहयोग उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ। गौरतलब है कि दिनेश बक्शी अब तक 138 बार रक्तदान और 106 बार प्लेटलेट्स दान कर चुके हैं। उनकी इस सेवा भावना की समाज में सराहना की जा रही है। इस अवसर पर दिनेश बक्शी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे रक्तदान और प्लेटलेट्स दान के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि दान करने वाला व्यक्ति भी स्वस्थ और नशे से दूर रहता है। उन्होंने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए, क्योंकि एक रक्तदान से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है।

बाबा सिद्धनाथ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में वैशाखी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

कुरुक्षेत्र, 14 अप्रैल (करणदीप सिंह) : बाबा सिद्धनाथ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में वैशाखी का पर्व बहुत ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई जिसमें विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बच्चों ने पंजाबी लोक नृत्य, भांगड़ा, गीत और कविता पाठ आदि गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया छोटे-छोटे बच्चों की रंग- बिरंगी वेशभूषा ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विद्यालय के प्रबंधक ईश्वर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को वैशाखी की बधाइयां दी और उन्हें वैशाखी पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया। उपाध्यक्ष रेखा देवी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की और वैशाखी की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या गीता शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को वैशाखी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए मेहनत, एकता और समर्पण का संदेश दिया और उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

शाहाबाद मारकंडा, 14 अप्रैल (रूबी) : डा. भीमराव अंबेडकर कल्याण सभा व श्री गुरु रविदास मंदिर व धर्मशाला कमेटी रत्नगढ़ के सहयोग से अंबेडकर भवन में डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे समाजसेवी सुरेश कुमार ने डा. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि देश के युवाओं को डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब समाज सुधारक थे, उन्होंने सभी को एक समान अधिकार दिलाने और एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। कार्यक्रम में होनहार बच्चों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर ओमप्रकाश रत्नगढ़, रामकुमार, विनोद कुमार, विजय, देशराज, सुनील कुमार, सतीश कुमार, संदीप, अशोक कुमार, संतोष कुमार, प्रेमपाल, कमल कुमार, कैलाश रानी, अनु, नीतू, काजल, सिमरत आदि उपस्थित थे।

एनएसयूआई द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 14 अप्रैल (करणदीप सिंह) : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में एनएसयूआई छात्र संगठन द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिवस तथा बैसाखी के पावन अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लेकर रक्तदान किया और मानवता की सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता लक्ष्मी कान्त शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और युवाओं का इस तरह के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना समाज के लिए प्रेरणादायक है। इस अवसर पर छात्र नेता राहुल ग्योंग सहित एनएसयूआई के तमाम कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लक्ष्मी कान्त शर्मा ने सभी आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया तथा समाज सेवा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

एसबीएस स्कूल बरनाला ने 8वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में शतप्रतिशत नतीजा हासिल किया

बरनाला, 14 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) एसबीएस पब्लिक स्कूल बरनाला ने 8वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 100त्न परिणाम हासिल कर एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता साबित की है। स्कूल परिवार को अपने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन और समर्पण पर गर्व है।95त्न अंक प्राप्त करने वाली रेखा कुमारी ने विज्ञान विषय में 100 में से 100 अंक हासिल कर सभी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उसकी यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत और मजबूत शैक्षणिक मार्गदर्शन को दर्शाती है।खुशप्रीत कौर ने 92त्न अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया और अपनी पढ़ाई के प्रति निरंतर समर्पण और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। तीसरा स्थान सरस्वती कुमारी को मिला, जिन्होंने 86त्न अंक प्राप्त कर स्कूल के शानदार परिणामों में और वृद्धि की।स्कूल प्रबंधन और अध्यापकों ने सभी विद्यार्थियों को दिल से बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अभिभावकों के निरंतर सहयोग और शिक्षकों की लगन को भी दिया।यह उल्लेखनीय उपलब्धि स्कूल की अपने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

सेंट बचनपुरी इंटरनेशनल स्कूल पखोकलां में बैसाखी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

बरनाला, 14 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) इलाके भर के बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान कर रही प्रसिद्ध शिक्षण संस्था सेंट बचनपुरी इंटरनेशनल स्कूल पखो कलां के चेयरमैन सरदार रविंदरजीत सिंह बिंदी और डायरेक्टर सरदार सागरजीत सिंह खीपल ने विद्यार्थियों, स्टाफ तथा देश-विदेश में बसे पंजाबियों को बैसाखी के त्योहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां विभिन्न भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म पाए जाते हैं। हर क्षेत्र में अलग-अलग विशेष दिनों और त्योहारों को बड़े उत्साह से मनाया जाता है।इसी प्रकार कृषि प्रधान राज्यों में गेहूं की फसल पकने और कटाई शुरू होने पर बैसाखी का त्योहार पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। पंजाब के लिए बैसाखी का विशेष महत्व है, क्योंकि यह न केवल फसल पकने की खुशी का प्रतीक है, बल्कि इसका संबंध सिख इतिहास से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। सिख इतिहास के अनुसार, इसी दिन दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खंडे-बाटे का अमृत पान करवाकर सिखों को खालसा पंथ का रूप प्रदान किया था।लोग गुरुद्वारों में माथा टेककर अच्छी फसल और समस्त मानवता की भलाई के लिए भगवान का धन्यवाद करते हैं और पकी हुई गेहूं की फसल की कटाई शुरू करते हैं।इस अवसर पर स्कूल में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें लोकगीत, बोलियां और कोरियोग्राफी शामिल थीं। उन्होंने यह भी बताया कि बैसाखी के दिन ही अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर अंग्रेज अधिकारी द्वारा अंधाधुंध गोलियां चलाई गई थीं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घायल हो गए। यह घटना विश्व इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक मानी जाती है।कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने पंजाबी संस्कृति को दर्शाता मलवई गिद्धा तथा छोटी बच्चियों ने गिद्धा प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। मलवई गिद्धे के माध्यम से बच्चों ने पुराने समय में फसल पकने और कटाई के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत और बोलियां भी प्रस्तुत कीं। जिनमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सभी को खुशी और एकता का संदेश दिया।संस्था के चेयरमैन सरदार रविंदरजीत सिंह बिंदी और डायरेक्टर खीपल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों को अपने समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और इतिहास से जोड़ना है, ताकि वे अपने मूल्यों और विरासत को कभी न भूलें।

अंबेडकर जयंती उत्साह व खुशी के साथ मनाई गयी

बरनाला, 14 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) जय वाटिका पब्लिक स्कूल में बैसाखी और डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों ने बैसाखी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। विद्यार्थियों ने भांगड़ा और गिद्धा प्रस्तुत कर पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। साथ ही उन्होंने संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम को भी व्यक्त किया।स्कूल के किंडरगार्टन ब्लॉक में एक विशेष मेले का आयोजन किया गया, जिसमें पंजाबी संस्कृति से संबंधित विभिन्न वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। छोटे बच्चों के लिए भांगड़ा और गिद्धा प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। रंग- बिरंगे पंजाबी परिधानों में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।इसके अतिरिक्त, डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों ने उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उनके आदर्शों का पालन करने और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लिया।स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. परविंदर कौर ने सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को बैसाखी और अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर पुष्प अर्पित कर किया नमन

मूनक, 14 अप्रैल (जयभगवान) : मूनक में डॉक्टर बी राय अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बाबा साहब की मूर्ति पर फूल अर्पित कर नमन किया। बाबा साहब के जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसने मार्केट कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण राणा ने उसके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर जी का जीवन संघर्ष, ज्ञान व संकल्प का उदाहरण है। उनके विचार विचार हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं जहां पर हर नागरिक को अपना समान अधिकार का अवसर प्राप्त हो। हमें उनके आदर्श को अपनाकर सामाजिक, न्याय, समानता और शक्तिकरण के उनके सपनों को सरकार करने का संकल्प लेना चाहिए। हमें ऐसे महान पुरुषों को हमेशा याद रखना चाहिए। असी मोर्चा के अध्यक्ष ओमप्रकाश ने कहा कि बाबा साहब ने देश को नया नई दिशा दिखाई। समाज में गरीब लोगों को जीवन की राह दिखाई। उन्होंने समाज में शिक्षा का महत्व बताया और नारी को समाज में सामानता दिलाई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष गुलाब सिंह मूनक, ब्लॉक समिति वॉइस अध्यक्ष अजय कुमार, बाबा धोनी दास, ग्राम महासचिव नेत्रपाल राणा, दिनेश पटवारी ,दलवीर पंच, सुभाष गोरिया सैकड़ो ग्रामीणों में बाबा साहब की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए।

धरौदी में बाबा साहब अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई लाइब्रेरी से 9 युवाओं को मिला रोजगार

नरवाना, 14 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : अंबेडकर भवन में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों व युवाओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर की खास बात यह रही कि बाबा साहब के नाम पर पिछले करीब चार वर्षों से संचालित लाइब्रेरी आज गांव के युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई है। इस लाइब्रेरी से अध्ययन कर अब तक 9 बच्चों को रोजगार प्राप्त हो चुका है, जो कमेटी के प्रयासों और गांव की जागरूकता का परिणाम है। यहां निरंतर छात्र-छात्राएं अध्ययन कर अपने भविष्य को संवार रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता बिट्टू नैन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का दिया नारा— शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो— आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। गांव के बुजुर्गों व मैत्री शक्ति के सदस्यों ने भी इस अवसर पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। वक्ताओं ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब के विचार हमें हमेशा समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम का सफल संचालन विजेंद्र माथुर ने किया। इस मौके पर संस्थापक कृष्णा धरोधी, प्रधान विजेंद्र माथुर, महाशिव, सुनील दहिया कैशियर, सुनील मास्टर, उपप्रधान दिलबाग, गुरदयाल बामनिया, सोनू बटोहिया, दीपक बामनिया, चंद्रभान ग्रोवर, सतवीर सिंह माथुर, कुलदीप माथुर, डॉ. सतीश माथुर, दिलीप सिंह बटोहिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रताप पब्लिक स्कूल के बच्चों ने जलियांवाला बाग की दर्दनाक घटना को किया जीवंत रूप में प्रस्तुत

तरावड़ी, 14 अप्रैल (छाया शर्मा) : प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में बैसाखी पर्व मनाया गया। बैसाखी तथा जलियांवाला बाग़ हत्याकांड के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी बच्चों एवं स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एक सुंदर एवं प्रभावशाली नाटिका रही। इस नाटिका के माध्यम से बच्चों ने जलियांवाला बाग़ की दर्दनाक घटना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिससे उपस्थित सभी दर्शकों की आँखें नम हो गईं और सभी को इतिहास की उस महत्वपूर्ण घटना की याद ताज़ा हो गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास कुमार ने विद्यार्थियों को वैसाखी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बैसाखी केवल फसल कटाई का पर्व ही नहीं, बल्कि हमारे देश के इतिहास से भी गहराई से जुड़ा हुआ है।

साथ ही उन्होंने जलियांवाला बाग़ हत्याकांड के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को देशभक्ति और बलिदान की भावना से प्रेरित किया। विद्यालय की निर्देशिका पिथी चौधरी ने बैसाखी और जलियांवाला बाग़ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को इतिहास से सीख लेकर देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के निर्देशक हनी चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुत नाटिका की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से एक गंभीर ऐतिहासिक घटना को बहुत ही संवेदनशील और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है।

श्याम बाल वाटिका में बैसाखी की धूम, गाँव की झलक ने मोह लिया सभी का मन

नरवाना, 14 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : श्याम बाल वाटिका के तीनों विद्यालयों में बैसाखी पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारंपरिक रंगों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को खूबसूरत ग्रामीण परिवेश में सजाया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने गाँव का जीवंत दृश्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, कृषि परंपराओं और किसानों के महत्व से अवगत कराना रहा। विद्यार्थियों को विभिन्न फसलों की जानकारी दी गई और उन्हें समझाया गया कि हमारे जीवन में किसान का योगदान कितना अहम है। छोटे बच्चों को अलग-अलग अनाजों की पहचान भी करवाई गई, जिससे उनके ज्ञान में व्यावहारिक वृद्धि हुई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने फसलों की थीम पर आधारित आकर्षक और रंग-बिरंगी रंगोलियाँ बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। वहीं पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। बच्चों की ऊर्जा और उत्साह ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। विद्यालय के निदेशक कृष्ण अरोड़ा एवं प्रधानाचार्या ज्योति अरोड़ा ने बच्चों को बैसाखी पर्व के महत्व से परिचित कराते हुए अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि बच्चों को सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यवहारिक ज्ञान से भी समृद्ध करना चाहिए। इसी उद्देश्य के तहत विद्यालय समय-समय पर इस प्रकार के शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

कडकोली गांव के पास काटी जा रही है अवैध कॉलोनी

यमुनानगर, 14 अप्रैल (दिनेश कुमार) : प्रताप नगर से बिलासपुर रोड पर स्थित कड़कोली गांव के आसपास इन दिनों अवैध कॉलोनियों के कटने का मामला तेजी से चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां बिना किसी वैधानिक अनुमति के जमीनों को छोटे-छोटे प्लॉटों में बांटकर बेचा जा रहा है, और खरीदारों को मूलभूत सुविधाओं के नाम पर केवल झूठे वादे किए जा रहे हैं। क्षेत्र के लोगों अनुसार, यह कॉलोनियां न तो सबंधित विभाग से स्वीकृत हैं और न ही इनमें सड़क, पानी, बिजली, सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं का कोई इंतजाम है। इसके बावजूद प्रॉपर्टी डीलर और कॉलोनी काटने वाले लोग भोले-भाले ग्राहकों को आकर्षक विज्ञापनों और बड़े-बड़े सपने दिखाकर जमीन बेच रहे हैं। कई जगहों पर भविष्य की स्मार्ट कॉलोनी जल्द मिलने वाली सभी सुविधाएं जैसे दावे किए जा रहे हैं, जो हकीकत से कोसों दूर हैं। सबसे गंभीर आरोप तहसील स्तर पर हो रही रजिस्ट्रियों को लेकर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब कॉलोनियां अवैध हैं, तो इनकी रजिस्ट्री आखिर कैसे हो रही है। इससे प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि कुछ अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से यह पूरा खेल चल रहा है, जिससे सरकारी नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। कई खरीदारों ने बताया कि उन्होंने अपनी जीवन भर की जमा पूंजी लगाकर यहां प्लॉट खरीदे, लेकिन बाद में पता चला कि न तो यह कॉलोनी मान्यता प्राप्त है और न ही यहां किसी प्रकार की सुविधा विकसित की जा रही है। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि जब उन्होंने संबंधित डीलरों से संपर्क करने की कोशिश की, तो या तो उन्हें टाल दिया गया या फिर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। लोगों का कहना है कि अवैध कॉलोनियों में निवेश करना बेहद जोखिम भरा होता है। ऐसी जगहों पर न तो बैंक से लोन आसानी से मिलता है और न ही भविष्य में मकान बनाने के लिए जरूरी सरकारी अनुमतियां मिल पाती हैं। इसके अलावा, अगर प्रशासन कभी कार्रवाई करता है, तो ऐसी कॉलोनियों को तोड़ा भी जा सकता है, जिससे खरीदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो और भी लोग इस जाल में फंस सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की है कि जिन लोगों ने अवैध रूप से कॉलोनियां काटकर प्लॉट बेचे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले में कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच, आम लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी जमीन या प्लॉट को खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति, संबंधित विभाग से स्वीकृति, और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता की पूरी जांच करना बेहद जरूरी है। केवल सस्ते दाम या आकर्षक वादों के आधार पर निवेश करना भविष्य में भारी परेशानी का कारण बन सकता है। कड़कोली गांव के आसपास कट रही इन कथित अवैध कॉलोनियों का मामला यह दर्शाता है कि कैसे नियमों की अनदेखी कर लोगों की मेहनत की कमाई को दांव पर लगाया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कब और कितनी सख्ती से कदम उठाता है, ताकि आम नागरिकों के हितों की रक्षा हो सके और ऐसे अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सके।

1919 के जलियांवाला बाग की टीस हर भारत कै दिल में है : डाक्टर चौहान

नीलोखेड़ी, 14 अप्रैल (सुरेश कुमार मिड्ढा) : बैसाखी के दिन 1919 का जलियांवाला बाग हत्याकांड भारतीय इतिहास का एक अत्यंत दुखद और अमिट अध्याय है। इस दिन निहत्थे, बेगुनाह और निर्दोष लोगों पर बरसाई गई गोलियों की गूंज आज भी भारतीयों के दिलों को झकझोर कर रख देती है। आज का दिन याद दिलाता है कि हमें आजादी की कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉक्टर वीरेंद्र सिंह चौहान ने संस्थान के कार्यक्रम राम-राम हरियाणा में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्दोष लोगों पर अनगिनत गोलियां चलाई गईं। बेगुनाह लोगों की चीख-पुकार से पूरा जलियांवाला बाग गूंज उठा था। बैसाखी का दिन इतिहास में खूनी बैसाखी के रूप में हमेशा हमेशा के लिए दर्ज हो गया। जलियांवाला बाग की खूनी बैसाखी ने पूरे देश में आजादी की ज्वाला को प्रज्वलित किया और हर भारतीय को अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी। जलियांवाला बाग के शहीदों का बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उनका त्याग हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हम हमेशा सजग और समर्पित हैं।डाक्टर चौहान ने कहा कि निर्दोष लोगों का बलिदान देश की आजादी की नींव बना और उनकी शहादत देशवासियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। आज के दिन दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की। खालसा सजाने का यह ऐतिहासिक क्षण साहस, त्याग और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें गुरु गोबिंद सिंह जी के अद्भुत व्यक्तित्व और खालसा के दिव्य विचारों को नमन करते हुए भारतीय संस्कृति और पंथ के प्रति उनके अतुलनीय योगदान के लिए सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, साहस और सेवा की भावना को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को इतिहास से सीख लेकर देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान से वरिष्ठ सलाहकार गुरबिंदर सिंह, गोरखपुर (भुना, फतेहाबाद) से सरपंच डॉ मंदीप, अपना रेडियो 91.2 एफएम चरखी दादरी से प्रीतम यादव, रेडियो वितस्ता 90 एफएम अंबाला से भारत सोपोरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

डॉक्टर से ज्यादा महत्व रखता है फर्स्ट एडर : डॉक्टर अनिमेष भाटला

37 युवाओं ने दी फर्स्ट एड प्रैक्टिकल परीक्षा, सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन इंडिया द्वारा प्रशिक्षित युवाओं का जांचा प्रैक्टिकल अनुभव

चीका/ कैथल, 14 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डॉक्टर से ज्यादा महत्व दुर्घटना स्थल पर फर्स्ट एड प्रदान करने वाले आम व्यक्ति का है। यह विचार उपमंडल के विख्यात अरनौली हॉस्पिटल के समाजसेवी डॉक्टर अनिमेष भाटला ने 37 युवाओं के फर्स्ट एड प्रशिक्षण का प्रैक्टिकल मूल्यांकन करते हुए कहे। डॉ अनिमेष भाटला ने कहा कि फर्स्ट एडर आकस्मिक दुर्घटना या बीमारी के बाद डॉक्टर के आने तक जान बचाने, स्थिति को बिगड़ने से रोकने और रिकवरी तेज करने में वो महत्वपूर्ण कार्य करता है जिससे घायल के दर्द में राहत और बहुमूल्य जीवन सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर प्राथमिक उपचार से मृत्यु दर में कमी और स्थायी क्षति से बचाव लाया जा सकता है। अगोंध गांव के युवा समाजसेवी सरपंच गुरताज सिंह ने कहा कि जिस तरह से प्राकृतिक आपदाओं एवं आकस्मिक दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है ऐसी स्थिति में आम लोगों को फर्स्ट एड में प्रशिक्षित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन इंडिया द्वारा वर्ल्ड क्लास फर्स्ट एड एवं सीपीआर प्रशिक्षण से युवाओं को तैयार करना समाज को बहुत बड़ी देन है। सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन इंडिया शाखा कैथल के सचिव एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक डॉक्टर राजा सिंह झींजर ने कहा कि गंभीर दूर्घटनाओं में, समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा सांस रुकने, अत्यधिक रक्तस्राव या दिल के दौरे जैसे मामलों में जान बचा सकती है। झींजर ने कहा कि फर्स्ट एड का उचित ज्ञान होने से आपातकालीन स्थिति में व्यक्ति शांत रहकर सही फैसले ले सकता है।

मास्टर ट्रेनर सरबजीत कौर ने कहा कि सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजपाल पुनिया के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार और प्रशासन के विशेष सहयोग से नेशन पैरामाउंट मिशन के तहत जन स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास जुटाए जा रहे हैं। फार्मासिस्ट सरबजीत कौर ने कहा कि हमारा लक्ष्य शत-प्रतिशत फर्स्ट एड जन प्रशिक्षण प्रदान करना है। हरनौली हॉस्पिटल के डॉक्टर अनिमेष भाटला ने बताया कि राज्य सरकार एवं परिवहन विभाग की गाइडलाइन अनुसार ग्रामीण स्तर पर %फर्स्ट एड प्रशिक्षण आपके द्वार% कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि युवाओं को रोजगार और जन सुरक्षा के लिए विशेष रूप से तैयार किया जा सके। इस इस अवसर पर समाजसेवी बूटा सिंह महरोक, पंच गीता देवी, संदीप सिंह, रघुवीर सिंह, पंच सोनू राम, गुरनाम सिंह, शीतल देवी, नंबरदार बलकार सिंह, नंबरदार केवल सिंह, चौकीदार सुरेंद्र कुमार सहित पंचायत सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

किशोर कुमार फैन्स कल्चरल एंड वेलफेयर क्लब रज़ि द्वारा वैसाखी के अवसर पर पटियाला स्थित गेड़ी रुट मार्किट में संगीतमय शाम का आयोजन किया गया। नितिन जैन व अनुज जैन द्वारा सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।(छाया एवं विवरण : जगप्रीत महाजन)

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, एलजी तरनजीत संधू एवं मनजिंद्र सिंह सिरसा गुरुद्वारा साहिब में नतमस्तक

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (अमृतपाल) भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन, दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा आज खालसा साजना दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में नतमस्तक हुए। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने उपराष्ट्रपति, उपराज्यपाल और मंत्री सिरसा को सिरोपाओ, श्री साहिब और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने समूची मानवता को खालसा साजना दिवस और वैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 1699 की वैसाखी को साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना करके दुनिया को एक वीर और अनुशासित कौम दी। उन्होंने कहा कि आज इस कौम के सदस्य न केवल भारत बल्कि देश-विदेश में अपनी बहादुरी, साहस और विनम्रता के साथ मानवता की सेवा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा और मानवता की सेवा में सिख समुदाय का सबसे बड़ा योगदान है, जबकि इस कौम की जनसंख्या मात्र 2 प्रतिशत है।

इस अवसर पर उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने भी खालसा साजना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खालसा की स्थापना भले ही श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर गुरु साहिब ने की थी, लेकिन आज यह दिवस पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में बड़े धार्मिक समागम होते हैं और संगत बड़ी संख्या में गुरुद्वारों में नतमस्तक होकर लंगर में सेवा करती है। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे इस कौम के विनम्र सेवक हैं।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी खालसा साजना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

जालंधर में अनमोल रबर फैक्टरी में भीषण आग, लाखों का नुकसान

जालंधर 14 अप्रैल (निस) थाना नंबर 1 के अधीन आते इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित अनमोल रबर फैक्टरी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, आग रात करीब 2 बजे भड़की और कुछ ही समय में पूरे परिसर में फैल गई। आग लगते ही फैक्टरी में मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की तीन गाड़ियों को लगाया गया। दमकल विभाग के अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। आग काफी भयंकर थी, इसलिए फोम का इस्तेमाल करना पड़ा और करीब सुबह 3.30 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया गया। काफी नुकसान हो गया।

वृंदावन हादसा : यमुना से मिला एक और शव, सदमे में परिवार

लुधियाना 14 अप्रैल (निस) यमुना नदी में हुए दर्दनाक हादसे के बाद अब तक कई शव मिल चुके हैं और लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। इसी कड़ी में एक और दर्दनाक खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यमुना से अब 15वां शव मिला है जो कि 24 वर्षीय मोनिका का है। मिली जानकारी के अनुसार मोनिका जिला अंबाला के नारायणगढ़ तहसील के गांव खानपुर राजपूताना की रहने वाली थी।

मृतका के भाई ने बताया कि सुबह के समय मोनिका का शव बरामद हुआ, जिसके बाद परिवार को सूचना दी गई।

बताया जा रहा है कि मोनिका की शादी करीब 6 महीने पहले लुधियाना के दुगरी फेज-2 में हुई थी। शादी के बाद सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन इस हादसे ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। प्रशासन द्वारा पोस्टमार्टम करवाने के बाद अब पार्थिव शरीर को हरियाणा स्थित उसके पैतृक गांव ले जाया जा रहा है, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा।

भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा किसानों एवं जमीन मालिकों के लिए राहत की घोषणा, भूख हड़ताल भी खत्म करवाई

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर, 14 अप्रैल (निस) प्रदेश के मकान निर्माण और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां तथा मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने मोहाली के एयरोत्रोपोलिस प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों/जमीन मालिकों द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर पिछले कई दिनों से गमाडा कार्यालय मोहाली के बाहर जारी भूख हड़ताल को आज किसान नेताओं को जूस पिलाकर और उनकी रखी गई मांगों को भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा मानने की घोषणा करके समाप्त करवाया। इस अवसर पर गमाडा की मुख्य प्रशासक श्रीमती साक्षी साहनी और भूमि अधिग्रहण अधिकारी रोहित जिंदल भी उपस्थित थे। मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने इस अवसर पर कहा कि पंजाब की भगवंत सिंह मान सरकार हमेशा किसानों और जमीन मालिकों के हितों को प्राथमिकता देती है। प्रदेश में किसानों से जुड़ा कोई भी निर्णय उनकी सहमति के बिना नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि मोहाली में भी एयरोत्रोपोलिस प्रोजेक्ट के ई, एफ, जी, एच, आई, जे ब्लॉकों के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य भी किसानों की सहमति से ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा अपने चार वर्षों के कार्यकाल के दौरान हर वर्ग से किए गए वादों और गारंटियों को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि कल ही विधानसभा में पारित किए गए 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल 2026' के माध्यम से बेअदबी की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर सजा का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, जो भगवंत सिंह मान सरकार की श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना, 600 यूनिट तक जीरो बिजली बिल, आम आदमी क्लीनिक, शिक्षा सुधार और अन्य मिसाल योग्य विकास कार्य सरकार की जनता के प्रति जवाबदेही और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह द्वारा प्रभावित किसानों और जमीन मालिकों की समस्याओं को मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत सिंह मान के ध्यान में लाए जाने पर उन्होंने तुरंत संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनकी मांगें स्वीकार करने के निर्देश दिए, जिससे उनकी सभी मांगें मानने का रास्ता साफ हुआ। उन्होंने धरना समाप्त करवाने से पहले स्वीकृत मांगों के संबंध में किसानों को बाकायदा लिखित पत्र पढ़कर सुनाया और सौंपा। स्वीकृत मांगों में सुविधा प्रमाणपत्र, जिसे पंजाब राज्य के विभिन्न विभागों और जिलों में लाभ प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत करना पड़ता है, की अवधि मौजूदा 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष करने की घोषणा की

शराब के लिए पैसे न मिलने पर पति ने पत्नी पर बरपाया कहर, दरिंदगी की हदें की पार

मोगा 14 अप्रैल (निस) स्थानीय कच्चा दोसांझ रोड पर घरेलू हिंसा का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक पति ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर अपनी पत्नी पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान मिन्नी चाहल के रूप में हुई है, जो दो बेटियों की मां है। उसे 108 एंबुलेंस की मदद से मोगा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन ने प्राथमिक इलाज के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दे दी है। मिनी चाहल ने बताया कि उसका पति अक्सर शराब पीता है और उससे पैसे मांगता रहता है। इसी वजह से घर में काफी समय से झगड़ा चल रहा था। गत शाम जब वह दूध लेकर घर पहुंची तो उसका पति उसे गालियां देने लगा और शराब के लिए पैसे मांगने लगा। जब उसने पैसे देने से मना किया तो पति ने लोहे की रॉड से उस पर कई वार किए। इस हमले में महिला की टांगर दो जगह से टूट गया, जबकि दूसरे पैर और हाथ में भी गंभीर चोटें आईं। किसी तरह खुद को बचाते हुए उसने 108 एम्बुलेंस को कॉल किया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। सिविल अस्पताल के इमरजेंसी स्टाफ ने घायल महिला का प्राथमिक इलाज करने के बाद पुलिस को सूचित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पंजाब में मावां धीयां सतकार योजना...

पृष्ठ एक का शेष ... पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं जानता हूं कि मेरी कई अनुसूचित जातियों की बहनों और माताओं के पास जाति प्रमाण पत्र नहीं है, लेकिन उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और उन्हें अपने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर इसमें समय लग रहा है तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे प्रमाण पत्र के बिना भी इस योजना के तहत पंजीकरण कर सकते हैं और 1000 रुपये मासिक प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं। जब भी उनका प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, राज्य सरकार उन्हें जुलाई से 500 रुपये प्रति माह के बकाए का भुगतान करेगी। इस संबंध में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर एक पहुंच विधि की घोषणा की। उन्होंने कहा, 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं की 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने और पंजीकरण प्रक्रिया में उनकी मदद करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर के हर गांव और वार्ड में महिला सतिकार सखियों को तैनात किया जाएगा।महिला सतिकार सखियों की भूमिका के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, महिला सतिकार सखियां लाभार्थियों के घर जाएंगी और उन्हें योजना के लाभों के बारे में बताएंगी, उनके सभी संदेह दूर करेंगी और पंजीकरण फॉर्म देंगी। वे लाभार्थियों को पूरी पंजीकरण प्रक्रिया के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी देंगी और उनके सभी सवालों और समस्याओं का समाधान करेंगी।उन्होंने आगे कहा, अगर लाभार्थी के पास वोटर आईडी या बैंक खाते जैसा कोई दस्तावेज नहीं है, तो ये सखियां उन्हें ये दस्तावेज बनाने में मदद करेंगी। महिला सतिकार सखी उनका हर कदम पर मार्गदर्शन करेगी।पहुंच में आसानी के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एक बार जब वे अपना पंजीकरण फॉर्म भर लेते हैं और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार हो जाते हैं।

होर्मुज में फिर तनाव..

पृष्ठ एक का शेष ...प्रभावित करता है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति होती है। इस कारण न केवल तेल की कीमतों में तेज उछाल का खतरा है, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

इस बार की स्थिति पिछले खाड़ी युद्धों से अलग है, क्योंकि अमेरिका को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिल रहा। नाटो के कई प्रमुख देश जैसे स्पेन, जर्मनी और इटली सैन्य कार्रवाई से दूरी बना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी इस कदम को मंजूरी नहीं मिली, क्योंकि रूस और चीन ने वीटो किया। केवल इजराइल और यूएई ही अमेरिका के साथ खड़े नजार आ रहे हैं। इससे अमेरिका पर आर्थिक और सैन्य दबाव बढ़ गया है।

जहां चीन और रूस संकट को अमेरिका के प्रभाव को कमजोर करने के मौके के रूप में देख रहे हैं। चीन, जो मध्य पूर्व से भारी मात्रा में तेल आयात करता है, अपने हितों की रक्षा के लिए सैन्य तैनाती का संकेत दे चुका है। वहीं रूस यूरोप में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है। दोनों देश उर्वरक आपूर्ति को नियंत्रित कर वैश्विक दबाव बना सकते हैं, जिससे भारत और ब्राजील जैसे देशों के सामने खाद्य सुरक्षा की चुनौती खड़ी हो सकती है। आर्थिक प्रभाव केवल तेल तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतें 130-150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। उर्वरक की कीमतों में भारी वृद्धि से कृषि प्रभावित होगी, इससे खाद्य संकट की आशंका है। शिपिंग बीमा महंगा होने से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित हो सकती है, और बैंकिंग सिस्टम में भी तरलता संकट पैदा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैफिक पुलिस ने 1000 रुपए वसूली के आरोपों को बताया बेबुनियाद

लुधियाना 14 अप्रैल (निस) एनएच-44 पर वायरल वीडियो के बाद सामने आए चालान विवाद पर ट्रैफिक पुलिस ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है। नाके पर तैनात इंचार्ज नीलकंठ ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ओवरस्पीडिंग का चालान निर्धारित रूप से 1000 रुपए का ही होता है और 3000 रुपए मांगने का सवाल ही नहीं उठता। मास्क पहनने को लेकर उठे सवाल-उन्होंने कहा कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उनके अनुसार, यदि मौके पर किसी तरह की अवैध वसूली की जाती, तो उसी समय इसका स्पष्ट वीडियो सामने आ सकता था। मास्क पहनने को लेकर उठे सवालों पर नीलकंठ ने बताया कि उनके मुंह में छाले थे और मेडिकल कारणों के चलते उन्होंने मास्क लगाया हुआ था। इसके अलावा प्रदूषण के कारण सांस लेने में दिक्कत होने की वजह से भी मास्क पहनना जरूरी था।

फिरोजपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, खेत से 6 किलो से अधिक हेरोइन और ड्रोन बरामद

फिरोजपुर 14 अप्रैल (निस) जिला पुलिस प्रमुख भूपिंदर सिंह के निर्देशों पर फिरोजपुर पुलिस ने नशे का धंधा करने वालों के खिलाफ मुहिम शुरू की हुई है। इस मुहिम को तब बड़ी सफलता मिली जब एक किसान के खेत से हेरोइन के पैकेट और एक ड्रोन बरामद हुआ। जब पुलिस ने पैकेटों को चैक किया तो उसमें से 6 किलो 930 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। थाना मल्लांवाला पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जिला पुलिस प्रमुख भुपिंदर सिंह ने बताया कि सहायक थानेदार दर्शन सिंह के नेतृत्व में पुलिस पार्टी गश्त करती हुई गांव कोहाला पहुंची तो नंबरदार गुरजंट सिंह पुत्र ठाणा सिंह निवासी कोहाला ने बताया कि उसके खेतों में ड्रोन जैसी चीज गिरी हुई है। जांच अधिकारी दर्शन सिंह ने बताया कि उनकी पुलिस पार्टी उक्त स्थान पर पहुंची और खेत से एक ड्रोन सीई रोच मेड इन चाइना 26-02-001 नंबर 000003 जिसमें 6 पंखे लगे थे सहित हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि जब पैकेटों की चैकिंग की गई तो उसमें से 6 किलो 930 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगा रही हैं कि हेरोइन की सप्लाई किसने मंगवाई थी ताकि नशे के नेटवर्क को तोड़ा जा सके।

पंजाब में सियासी हलचल तेज, जीरकपुर से बड़ा नेता कांग्रेस में शामिल

डेराबस्सी 14 अप्रैल (निस) पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। डेराबस्सी में अकाली दल को झटका देते हुए हरदीप सिंह गाजीपुर अपने समर्थकों सहित कांग्रेस में शामिल हो गए। वहीं अमृतसर में आम आदमी पार्टी को भी नुकसान हुआ, जहां करीब दो दर्जन परिवार अकाली दल में शामिल हो गए। इनमें कई प्रमुख लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं। चुनाव से पहले जारी इस दल-बदल ने पंजाब की राजनीति को फिर गरमा दिया है।

महिला के बाहर जाते ही घर में घुसा चोर, 30 मिनट में घटना को अंजाम देकर फरार

गुरदासपुर 14 अप्रैल (निस) जिले में बेखौफ चोर ने महज आधे घंटे में बड़ी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि महिला आधे घंटे के लिए घर बंद कर सब्जी लेने गई थी। जब वह वापस लौटी तो घर का दरवाजा खुला हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। इस दौरान चोर ताला तोड़कर घर से 10,000 रुपये नकदी, स्ध्वष्ठ और मिक्सर चोरी कर ले गए। इतना ही नहीं, चोर चूल्हे के पीतल के बर्नर भी ले गए।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

जैन आदर्श विद्यालय में बैसाखी पर्व की धूम सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

फाजिल्का, 14 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) = फाजिल्का के जी ए वी जैन आदर्श विद्यालय में बैसाखी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल नरेश सपड़ा ने की। बैसाखी के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह में न केवल पंजाबी संस्कृति की झलक देखने को मिली, बल्कि विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जानकारी देते हुए वाइस प्रिंसिपल शीनम धूडिया ने बताया कि इस रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डिप्टी डीईओ अंजू, ड्रीम्स प्ले वे स्कूल की संचालिका हरविंदर कौर और प्रसिद्ध व्यवसायी सौरव कामरा ने विशेष रूप से शिरकत की। विद्यालय पहुंचने पर प्रिंसिपल नरेश सपड़ा और समूह स्टाफ की ओर से मुख्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें सम्मान के प्रतीक के रूप में फूलों के बुक्के भेंट किए गए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बैसाखी के महत्व पर प्रकाश डाला और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। छोटे बच्चों ने पंजाबी पहनावे में सजकर गिद्दा और भंगड़ा पेश किया, जिससे पूरा माहौल उत्सव जैसा हो गया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में बैसाखी के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी दी। यह पर्व न केवल फसल कटाई की खुशी का प्रतीक है, बल्कि इसी दिन खालसा पंथ की स्थापना भी हुई थी। विद्यालय के अनुशासन और बच्चों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की । उन्होंने अपनी बेहतरीन शब्दावली और उत्साह के साथ पूरे कार्यक्रम की गरिमा को बनाए रखा। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधन और प्रिंसिपल द्वारा आए हुए मुख्य अतिथियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं और गरिमामयी उपस्थिति के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया

कॉम्फी इंटरनेशनल कान्वेंट स्कूल के छात्रों ने हेरिटेज फेस्टीवल में सांस्कृतिक प्रस्तुति से समां बांधा

फाजिल्का, 14 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह)= मदन गोपाल रोड, फाजिल्का में स्थित कॉम्फी इंटरनेशनल कॉन्वेंट स्कूल के बच्चों ने हेरिटेज फेस्टिवल 2026 में बड़ी खुशी और उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय की छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने %महक सरहद दी% का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी संस्कृति पर आधारित पारंपरिक गीतों पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

विद्यार्थी हेरिटेज फेस्टिवल के दौरान लोकप्रिय पंजाबी लोक गीतों **हुस्न, जवानी ते मापे**, **रब्बा मेरा सोहणा देश पंजाब होवे**, **आई वैसाखी सोहणिया** और **मारदा दमामे जट्ट मेले आ गया** की धुनों पर जमकर झूमे। इन गीतों के माध्यम से बच्चों ने पंजाब की मिट्टी की महक और त्योहारों की खुशी को बखूबी मंच पर उतारा।यह केवल एक नृत्य प्रदर्शन नहीं था, बल्कि बच्चों ने अपनी जड़ों, गौरव और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से जुड़े इन गीतों पर थिरक कर अपनी विरासत को गर्व के साथ आगे बढ़ाया। विद्यार्थियों ने जीवन के विभिन्न रंगों और बैसाखी के पर्व की खुशी को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया।स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता गुंबर और चेयरमैन गौरव झींझा ने बच्चों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच बच्चों को अपनी विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। स्कूल प्रबंधन ने बच्चों के आत्मविश्वास और उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बठिंडा में कई तरह की पाबंदियां लागू, होलसेलर एवं रिटेलर के लिए कई तरह के नियम जारी

बठिंडा 14 अप्रैल (निस) जिला मजिस्ट्रेट बठिंडा श्री राजेश धीमान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बठिंडा जिले की सीमा के अंदर ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रांसपोर्ट के दूसरे साधन जिनसे बरेती/मिट्टी आदि की ट्राली को बिना ढके इधर उधर ले जाने पर पूर्ण रोक लगाई जाती है। जारी आदेश के अनुसार बठिंडा जिले की सीमा के भीतर नायलॉन, प्लास्टिक या सिंथेटिक सामग्री से बने पतंग उड़ाने वाले धागे (चाइना डोर) के निर्माण, बिक्री, भंडारण, खरीद, आपूर्ति, आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। एक और आदेश में बठिंडा जिले में कैप्सूल और टैबलेट (75 मिलीग्राम से अधिक के फॉर्मूलेशन) की स्टॉकिंग और बिक्री पर रोक लगा दी गई है। जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश दिया है कि कोई भी होलसेलर, रिटेलर, केमिस्ट/मेडिकल स्टोर का मालिक, हॉस्पिटल में फार्मेसी या कोई भी दूसरा व्यक्ति ओरिजिनल प्रिस्क्रिप्शन स्लिप के बिना प्रीगाबालिन 75 मिलीग्राम नहीं बेचेंगे। सेलर्स को खरीद और बिक्री का सही रिकॉर्ड रखना होगा। उन्हें ओरिजिनल प्रिस्क्रिप्शन स्लिप और केमिस्ट/रिटेलर का नाम, बिक्री की तारीख, बेची गई टैबलेट की संख्या लगानी होगी। सारी बिक्री सिर्फ प्रिस्क्रिप्शन स्लिप के आधार पर ही की जाएगी।

बठिंडा सिविल अस्पताल में चल रहे जिला रेड क्रॉस सोसायटी के मेडिकल स्टोर की बिक्री में ढील दी गई है। रेड क्रॉस सचिव यह पक्का करेंगे कि सभी फॉर्मूलेशन की प्रीगैबलिन की खरीद/बिक्री का सही रिकॉर्ड रखा जाए और इस ऑर्डर के बाकी नियमों का पालन किया जाए। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 223 के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।